RNI. Reg. MPHIN/2019/78560

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

सुविचार

'अभिमान' कहता है, मुझे किसी की भी 'जरूरत' नहीं है, परन्तु 'अनुभव' कहता है कि समय आने पर सड़क पर 'धूल की जरूरत' भी, पड़ जाती है...
- के.पी. जाट, भोपाल

खोजना है तो जिंदगी खोजो मोत तो वैसे ही एक दिन खोज लेगी।
- सोमनाथ तिवारी, माण्डव

जो सबके लिए रखें अच्छे विचार और रखें मन में 'हर्ष' उसके लिए रोज त्यौहार रोज नया 'वर्ष'।
- हरिशंकर पाटीदार, लिम्बोदा देवास

दैनिक
विनय उजाला

विकसित भारत युवा संसद का 1 से 3 अप्रैल तक आयोजन

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के नेतृत्व में 1 से 3 अप्रैल तक विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है। राजनीति और सार्वजनिक नीति के साथ युवा शक्ति को जोड़ने और उन्हें नीति निर्माण की दृष्टि देने के एक शक्तिशाली मंच के रूप में युवा संसद कार्य करेगा। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर से जारी की गई जानकारी के अनुसार हर राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र के 75 हजार से अधिक युवाओं ने 'माय भारत' पोर्टल के माध्यम से अपनी वीडियो प्रविष्टियाँ भेजी है। संपूर्ण चयन प्रक्रिया को डिजिटल रूप से आयोजित किया गया था।

वर्ष-06, अंक 120 | अलीराजपुर, सोमवार ● 31 मार्च 2025 | मूल्य 2.00 रुपए, कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

बाल-बाल बची जान रूसी राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट

नई दिल्ली। मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट हुआ है। यह धमाका खुफिया एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के बाहर हुआ। यह एक लग्जरी लिमोजिन कार थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार के इंजन में आग लग गई थी और फिर अंदर फैल गई। हालांकि जिस वक्त ये हादसा हुआ, उस वक्त ये कार पुतिन के काफिले में शामिल नहीं थी और न ही पुतिन इस कार के आस-पास थे। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह हत्या की साजिश थी या सिर्फ एक हादसा। घटना के बाद पुतिन की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में चिंताएं बढ़ गई हैं। 26 मार्च को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया था कि जल्द पुतिन की मौत होगी।

कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे बेपटरी, एक की मौत, 8 घायल

नई दिल्ली। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 एसी कोच पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हैं। मेडिकल और इमरजेंसी टीम मौके पर मौजूद है। हादसा सुबह 11:54 बजे मंगुली पैसेंजर हॉल्ट से लगे निरगुंडी स्टेशन के पास हुआ। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह से तीन ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को कामाख्या ले जाने के लिए विशेष ट्रेन 4:10 बजे 5:05 बजे कामाख्या के लिए रवाना हो गई। डीएम दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा, घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है... 8 लोग घायल हैं। जिन घायलों को रेफर करने की जरूरत थी और उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

मणिपुर में अफस्पा छह महीने के लिए बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों से जुड़े विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों पर लागू 'सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम' (अफस्पा) को 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। रविवार को जारी अधिसूचना के तहत 13 पुलिस स्टेशनों को छोड़कर संपूर्ण मणिपुर, नागालैंड के आठ जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों तथा अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों तथा तीन पुलिस थानों को 'अशांत' घोषित किया गया है। अशांत क्षेत्रों की स्थिति में तेजी से सुधार के लिए 'अफस्पा' के तहत सशस्त्र पुलिस बलों को कुछ विशेष अधिकार दिए जाते हैं। इसके तहत बलों को केंद्र की अनुमति के बिना अभियोजन चलाए जाने से भी संरक्षण मिलता है। गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में तीन अगल-अलग अधिसूचना जारी की गई।

विक्रम विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा

विद्यार्थी मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन करें

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। विक्रम विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों को उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पद्मभूषण कमलेश डी. पटेल को मानद डी.लिट. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय किया जाएगा। उज्जैन, जिसे अवंतिका के नाम से भी जाना जाता है, सात पवित्र नगरियों में से एक है और इसका अस्तित्व हर युग में रहा है। उन्होंने गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनके ऊपर अब और अधिक जिम्मेदारी है। उनसे अपेक्षा है कि वे अपनी शिक्षा के बल पर विश्वविद्यालय, प्रदेश और देश का नाम विश्वभर में रोशन करें।

अच्छी नौकरी मिलने के बाद माता-पिता को भूल जाते

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए माता-पिता के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी। उन्होंने कहा, आज के दौर में माता-पिता छोटे बच्चों को उंगली पकड़कर स्कूल छोड़ने जाते हैं, लेकिन वही बच्चे बड़े होकर अच्छी नौकरी मिलने के बाद माता-पिता को भूल जाते हैं। यह गलत है। माता-पिता ने कठिनाइयों को सहकर बच्चों को बड़ा किया है, इसलिए उनका सम्मान और सेवा करना हर संतान का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि जो माता-पिता की सेवा करेगा, वही समाज और राष्ट्र की भी सेवा करेगा।

शोभायात्रा से समारोह की शुरुआत

समारोह की शुरुआत अकादमिक शोभायात्रा से हुई, जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए। अतिथियों ने वाग्देवी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया और सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद कार्यपरिषद सदस्यों और संकाय अध्यक्षों के साथ समूह चित्र लिया गया।

विद्यार्थियों को उपाधियां और स्वर्ण पदक

2024 के पीएच.डी. और डी.लिट. उपाधि धारकों को सम्मानित किया गया। स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की गईं। इस वर्ष 163 विद्यार्थियों ने दीक्षांत समारोह में पंजीयन कराया, जिसमें 64 पीएच.डी., 2 डी.लिट., 69 स्नातकोत्तर और 28 स्नातक उपाधि प्राप्तकर्ता शामिल थे।

हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे : पीएम मोदी

स्वयंसेवक का जीवन निस्वार्थ... प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार संघ मुख्यालय पहुंचे मोदी

नागपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को आरएसएस मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। बतौर प्रधानमंत्री मोदी की यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं।

आत्मविश्वास से भरा हुआ युवा धर्म से जुड़ा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। देश का युवा आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उसकी रिस्क-टेकिंग कैपेसिटी पहले से कई गुना बढ़ चुकी है। वह इनोवेशन कर रहा है, स्टार्टअप की दुनिया में परचम लहरा रहा है। अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करते हुए आगे बढ़ रहा है। महाकुंभ में हमने देखा कि लाखों-करोड़ों की संख्या में युवा पीढ़ी पहुंची और सनातन परंपरा से जुड़कर गौरव से भर उठी। भारत का युवा आज देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए काम कर रहा है। यही युवा 2047 के विकसित भारत की ध्वजा थामे हुए हैं। मुझे भरोसा है कि संगठन, समर्पण और सेवा की त्रिवेणी विकसित भारत की यात्रा को ऊर्जा और दिशा देती रहेगी।

माउंट आबू के जंगलों में भीषण आग, सेना की मदद से हालात काबू में

सिरोही (हि.स.)। राजस्थान के प्रसिद्ध हिल स्टेशन माउंट आबू के जंगलों में लगी भीषण आग ने हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। इस आग के कारण न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि आसपास के इलाकों में भी दहशत का माहौल बन गया। आग पर काबू पाने के लिए सेना के जवानों को राहत कार्य में लगाया गया, जिसके बाद हालात अब नियंत्रण में हैं। वन विभाग के अनुसार, आग की शुरुआत शनिवार दोपहर 2 बजे छीपाबेरी क्षेत्र से हुई। तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैली और शाम तक यह लगभग 100 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को प्रभावित कर चुकी थी। आग की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 17 किलोमीटर दूर गंभीरी नदी के किनारे से भी धुएं के गुबार देखे गए। माउंट आबू का जंगल 300 से अधिक भालुओं के अलावा कई अन्य वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है।

बिलासपुर में 33,700 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

प्रधानमंत्री ने अभनपुर-रायपुर मेमू ट्रेन का किया शुभारंभ

बिलासपुर/रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 33,700 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके साथ ही मोदी ने मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई और पीएमएवाई-जी के तहत लाभार्थियों को घरों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का परिवर्तन हो रहा है और राज्य में 100 फीसदी रेल नेटवर्क विद्युतीकृत हो गया है। वे बिलासपुर के मोहभट्ठा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह माता कौशल्या, मां महामाया और मां कर्मा की धरती है। आज से नवरात्र शुरू हो रहा है, ये मां महामाया की धरती है, ऐसे में मातृ शक्ति के लिए ये दिन महत्वपूर्ण है। मेरा सौभाग्य है नवरात्र के पहले दिन मैं यहां पहुंचा। उन्होंने कहा कि बीते दिन माता कर्मा के नाम भी डाक टिकट जारी हुआ है। इसके लिए भी आपको बधाई। उन्होंने कहा कि छग की रामभक्ति अद्भुत है, यहां रामनामी समाज ने अपना पूरा शरीर राम को समर्पित किया है। राम के ननिहाल वालों को मेरा जय श्रीराम है। उन्होंने कहा कि मोहभट्ठा में स्वयंभू शिवलिंग के आशीर्वाद से छग के विकास को गति देने का अवसर मिला है। प्रदेश को 33,700 करोड़ के प्रोजेक्ट की सौगात मिली है, ये विकास कार्य छग को सुविधा, रोजगार देने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी परम्परा में किसी को आश्रय देना पुण्य माना जाता है, लेकिन किसी के घर का सपना पूरा हो, इससे बड़ा पुण्य है। छग के 3 लाख परिवारों के आवास का सपना पूरा हो रहा है। आपके सहयोग से ये संभव हो पाया है, क्योंकि आपने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया। बस्तर, सरगुजा जैसे आदिवासी क्षेत्र में आदिवासियों को घर मिला है। कई जिंदगियां लोगों की झोपड़ियों में गुजरी हैं, ये जनता के सपनों का घर है। हमारी सरकार सिर्फ चारदिवारी नहीं बनाती। हमारी सरकार लोगों की जिंदगी भी बनाती है। हर सुविधा हम उस घर में देते हैं। पहली बार कई माताओं-बहनों के नाम कोई संपत्ति रजिस्टर्ड हुई है। लोगों की ये खुशी ही मेरी संपत्ति है।

अभनपुर-रायपुर मेमू ट्रेन का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने अभनपुर-रायपुर मेमू ट्रेन का शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री ने मोहभट्ठा से ही हरी झंडी दिखाकर करेंगे ट्रेन को रवाना किया। जबकि अभनपुर स्टेशन में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अधिकार समूहों द्वारा किए गए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे में हुआ खुलासा

भारत में 82 फीसदी दिव्यांगों के पास नहीं है कोई बीमा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में 82 फीसदी दिव्यांगों के पास किसी भी प्रकार का बीमा नहीं है। इतना ही नहीं 42 फीसदी दिव्यांगजन सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजना- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से पूरी तरह अनजान हैं। यह खुलासा अधिकार समूहों द्वारा किए गए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे में हुआ है।

पिछले सप्ताह राष्ट्रीय दिव्यांगजन नेटवर्क की एक बैठक हुई, जिसमें 20 से अधिक राज्यों के नागरिक समाज समूह और दिव्यांगजन अधिकार संगठन शामिल हुए। बैठक के दौरान अधिकार समूहों ने दिव्यांगों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसमें दिव्यांगों के पास बीमा न होने और आयुष्मान भारत योजना की जानकारी न होने का निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया।

बिना शर्त कवरेज बढ़ाने की मांग

बैठक में, विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य बीमा तक पहुंच में आने वाली बाधाओं पर चर्चा की। मल्टीपल स्केलेरोसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव संदीप चिटनिस ने कहा, जब आपको विकलांगता का पता चलता है, तो बीमा प्राप्त करना लगभग असंभव हो जाता है। हमें एक ऐसा सिस्टम चाहिए जो लोगों को उनकी विकलांगता के लिए दंडित न करे। एनडीए ने केंद्र सरकार से आयुष्मान भारत के तहत दिव्यांगजनों के लिए बिना शर्त कवरेज बढ़ाने की मांग की।

सरकार के नियमों पर उठाया सवाल

अरमान अली ने सरकार के नियमों पर सवाल उठाया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जहां आयुष्मान भारत 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बिना शर्त कवरेज प्रदान करता है, वहीं विकलांग व्यक्तियों के लिए ऐसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा, विकलांगता और गरीबी एक दुष्चक्र का हिस्सा हैं। हम केवल योजनाओं की मांग नहीं कर रहे हैं, हम प्रतिनिधित्व और नीतिगत बदलावों की मांग कर रहे हैं।

28 फीसदी ने ही योजना के लिए किया आवेदन

राष्ट्रीय दिव्यांगजन रोजगार संवर्धन केंद्र (एनसीपीईडीपी) द्वारा आयुष्मान फॉर ऑल अभियान के तहत सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 5,000 से अधिक दिव्यांगों से प्रतिक्रियाएं ली गईं। इस योजना का उद्देश्य कमजोर वर्ग को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना है। इसके बावजूद केवल 28 फीसदी दिव्यांग ही इसके लिए आवेदन कर पाए हैं। एनसीपीईडीपी के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने कहा कि ये आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो आवश्यक स्वास्थ्य सेवा से वंचित हैं। स्वास्थ्य बीमा विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके जीवनयापन की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

एकलव्य विशिष्ट शाला चयन परीक्षा हुई

डही, निप्र। नगर के सीएम राइज विद्यालय में रविवार को जनजातीय कार्य विभाग के विशिष्ट विद्यालय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा हुई। इसमें कक्षा छठी में प्रवेश के लिए विकासखंड के 209 विद्यार्थियों ने चयन परीक्षा दी। यह परीक्षा केंद्राध्यक्ष अरुण कुशवाह, सहयोगी विजेंद्र सिंह डावर और सचिन इश्के के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। प्रेक्षक मनीष भावसार ने परीक्षा का निरीक्षण किया। डही विकासखंड के साथ ही जिले के सभी 13 विकासखंडों में यह परीक्षा हुई। जिसमें पूरे जिले के कुल 15 केंद्रों पर करीब 2500 विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

ढोल और नगाड़ों की थाप पर बाइक रैली निकाली

मांडू, निप्र। मांडू में हिंदू युवा शक्ति के द्वारा पर्यटन नगरी मांडू में आज गुड़ी पड़वा नववर्ष पर एक विशाल भगवा बाइक यात्रा पूरे नगर में निकाली गई चतुर्भुज राम मंदिर से लेकर नगर के प्रमुख मार्गो गली मोहल्ले से होते हुए यह यात्रा वापस मुख्य चौराहे पहुंची और उसके बाद मंडेश्वर महादेव मंदिर में युवा ने पूजा अर्चना कर भगवा यात्रा का समापन किया और एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी।यह त्योहार गर्मियों की शुरुआत का प्रतीक है। चैत्र नवरात्र का त्योहार मां दुर्गा और उनके नौ दिव्य अवतारों की पूजा के लिए समर्पित है। पर्यटन नगरी मांडू में आज रविवार गुड़ी पड़वा नववर्ष पर मांडू नगर के युवा बच्चों ने भगवा ध्वज मोटरसाइकिल पर लेकर निकले वही एक विशाल भगवा यात्रा मांडू के चतुर्भुज राम मंदिर से लेकर नगर के प्रमुख मार्गों पर जहां नगर वासियों ने पुष्पों से स्वागत किया गया।

पीएम मोदी के मन की बात जिले के 18 मंडलों के 821 बूथ केंद्रों पर सुनी गई

जीवन मूल्यों में बदलाव लाने के लिए प्रेरक : सावित्री ठाकुर

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेद और योग को अपनाने की अपील की

विनय उजाला

धार, निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के कार्यक्रम का 120 वां एपिसोड का सीधा प्रसारण रविवार को जिले के सभी मंडल प्रभारी एवं जिला पदाधिकारियो 18 मंडलों के अध्यक्ष एवं सभी जनप्रतिनिधि भाजपा कार्यकर्ताओ ने प्रमुख रूप से अनेक बूथों पर देखा व सुना गया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि धार जिला मुख्यालय के कुशाभाऊ ठाकरे मंडल व बूथ नम्बर 107 पर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर धार विधायक नीना वर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के कार्यक्रम का श्रवण किया। हिंदू नववर्ष के अवसर पर अतिथियों ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात का कार्यक्रम जीवन मूल्यों में बदलाव लाने के लिए प्रेरक है। मन की बात प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम तो है ही साथ देश भर के अनेक नवाचार को आत्मसात करने का मौका भी देता है तथा एक सफलता की कहानी पेश कर आमजनों को अपने जीवन मे बेहतर करने की प्रेरणा व मार्गदर्शन भी देता है।

वही जिला अध्यक्ष महंत भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज के कार्यक्रम में हमारे देश के छोटे-छोटे नेनिहालों को गर्मी की छुट्टियां कैसे बिताना चाहिए जो बच्चो के लिए प्रेरक है तथा कृष्ण कमल के फूल का जिक्र भी किया साथ ही खेलो इंडिया के बारे में युवाओं को मार्गदर्शन दिया तथा जल संरक्षण के लिए अपने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया।

उन्होंने युवाओं से अपील की है कि उन्हें मन की बात का प्रत्येक एपिसोड देखना चाहिए ताकि देश के प्रत्येक विषय की जानकारी मिले व हमारा ज्ञानवर्धन भी होगा। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा सहित महिला मोर्चा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

बोहरा समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाई ईद-उल-फितर

विनय उजाला

डही, निप्र। डही में बोहरा समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाई ईद-उल-फित्र नमाज और ईदी के साथ फैला भाईचारा रमजान के पवित्र महीने की इबादतों और रोजों का समापन होने के बाद रविवार, 30 मार्च 2025 की सुबह डही में बोहरा समाज ने ईद-उल-फित्र का पर्व बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया। नगर की प्रमुख मस्जिद जो अराड़ा रोड पर स्थित है, में सुबह 6 बजे ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें समाज के हजारों लोग शामिल हुए। डही बोहरा समाज के जनाब हुसैन भाई ने नमाज अदा कराई।

नमाज के बाद गले मिलकर 'ईद मुबारक' की बधाइयां दी गईं, पारंपरिक मिठास से भरे शीर खुरमा का स्वाद चखा गया और बच्चों को ईदी देकर उनकी मुस्कुराहटें बढ़ाई गईं। यह पर्व न सिर्फ खुशियों का त्योहार साबित हुआ, बल्कि एकता, भाईचारे और नेकी के संदेश को भी घर-घर तक पहुंचाने का जरिया बना।

सुबह के शांत और पवित्र माहौल में नमाज की गूंज सुनाई दी। परिवारों के साथ बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस खास आयोजन का हिस्सा बने। नमाज के बाद मस्जिदों के बाहर गर्मजोशी भरे गले मिलने का सिलसिला शुरू हुआ, जो बोहरा समाज की एकता और आपसी प्रेम का प्रतीक बन गया।

शीर खुरमा की मिठास और ईदी का उत्साह : ईद की नमाज के बाद बोहरा समाज की सबसे प्यारी परंपराओं में शुमार शीर खुरमा का दौर शुरू हुआ। यह स्वादिष्ट व्यंजन दूध, सेवई, चीनी और मेवों से तैयार किया जाता है और ईद की खुशियों को दोगुना करने का काम करता है। घर-घर में सुबह से ही इसे बनाने की तैयारियां चल रही थीं। पड़ोसियों, रिश्तेदारों और दोस्तों के बीच इसे बांटा गया। 60 साल के मन्सुर भाई घाणा ने भावुक होते हुए कहा, 'शीर खुरमा हमारे लिए सिर्फ खाना नहीं, बल्कि प्यार और भाईचारे का संदेश है। इसे बांटते वक्त जो खुशी मिलती है, वही ईद का असली मतलब है।

दूसरी ओर, बच्चों के लिए ईदी का इंतजार इस दिन की सबसे बड़ी खुशी होती है। बड़े-बुजुर्गों ने बच्चों को नकदी और तोहफे देकर उनकी आंखों में चमक बिखेरी। 10 साल के शब्बिर ने अपनी ईदी दिखाते हुए कहा, 'मुझे 500 रुपए मिले हैं। अब मैं बाजार जाकर अपने लिए एक खिलौना लूंगा।' बच्चों का यह उत्साह और उनकी मासूम खुशी ईद के माहौल को और जीवंत बना रही थी।

एकता और सादगी का सबक : ईद-उल-फित्र का यह पर्व बोहरा समाज के लिए एकता और सादगी का प्रतीक बनकर उभरा। सुबह से ही डही की सड़कों पर रौनक छाई रही। मस्जिद के बाहर लोगों का हुजूम, बच्चों की चहल-पहल और शीर खुरमा की खुशबू ने पूरे नगर को उत्सव के रंग में रंग दिया। समाज के बुजुर्गों का कहना था कि यह दिन हमें सिखाता है कि जिंदगी की असली दौलत अच्छाई और सादगी में छिपी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में 18 अमृत सरोवर, 840 खेत तालाब का निर्माण

प्राचीन कुएं, बावड़ी, जलाशयों का पुनरुद्धार किया जाएगा : कलेक्टर डॉ. बेड़ेकर

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में आज ग्राम पंचायत कवठू में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया । जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए मध्यप्रदेश सरकार की पहल है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ बेडेकर ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हम सभी लोग पानी की बूंद बूंद बचाने का संकल्प लेंगे। इस अभियान के दौरान 18 अमृत सरोवर , 840 खेत तालाब का निर्माण , प्राचीन कुएं बावड़ी जलाशयों का पुनरुद्धार किया जाएगा ।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए जन सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण अंग है।

कलेक्टर डॉ बेडेकर ने कवठू ग्राम की प्राचीन महादेव बावड़ी के उत्थान के लिए ग्रामीणों के साथ श्रमदान किया उन्होंने कहा कि इन प्राचीनतम जलाशयों पर हमारा पुराना पारिस्थितिक तंत्र आश्रित रहा है । इसके पुनरुद्धार के लिए सभी ग्रामवासी प्रयास करें ताकि एक उत्तम जल संग्रहण स्त्रोत हमें प्राप्त हो सके।

मांडू में पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

अवैध शराब से भरा स्कॉर्पियो वाहन किया जब्त, चालक वाहन छोड़कर हुआ फरार

82 हजार रुपए बताई जा रही शराब की कीमत, पुलिस ने जब्त किया शराब से भरा वाहन

विनय उजाला

मांडू, निप्र। मांडू पुलिस को मिली बड़ी सफलता, मांडू थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुखबिर की सूचना के बाद ग्राम तीतीपूरा में अवैध शराब की सूचना मांडू पुलिस को मिली, सूचना मिलते ही, मांडू थाना प्रभारी राम सिंह राठौड़ अपनी टीम के साथ रवाना हुए, और विधिवत वाहन को थाने लाया गया है, और गांव से पहले स्कॉर्पियो वाहन को रोक कर इस वाहन की तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान वहां में 21 अलग-अलग ब्रांड की शराब की पेटी वाहन में रखी थी। वाहन में से कुल 21 पेटी देसी /विदेशी शराब 211 बल्क लीटर, इन दोनों शराब कि कल क़ीमत 82 हजार 700 रुपये बताई गई है, वहीं वाहन स्कॉर्पियो की कीमत 3 लाख 50 हजार, बताई जा रही है, वही इस वाहन क्रमांक में यह शराब सहित इस पुलिस ने जप्त किया है, इस स्कॉर्पियो कार जिसका वाहन क्रमांक यह है एमपी09.एचडब्ल्यू.5299 , मांडू पुलिस ने इस धारा में प्रकरण दर्ज किया है, जिसका अपराध क्रमांक 16/ 25 धारा 34 आबकारी एक्ट, के तहत यह कार्रवाई की गई है, जिसका घटना स्थल ग्राम तितीपुरा थाना मांडू । आरोपी वाहन चालक मोके पर से वाहन छोड़कर फरार हो गया है अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध अपराध पंजीबध किया गया है । आरोपी मौके से फरार हो गए हैं, पुलिस उनकी तलाशी कर रही है,

यह देसी विदेशी शराब जप्त की है :

- 12 पेटी बोल्ट बियर
- 3 पेटी गोवा अंग्रेजी शराब
- 01 पेटी लंदन प्राइड स
- 05 पेटी देशी प्लेन मदिरा शराब

इस कार्रवाई में इनका रहा सरहानीय योगदान

मांडू थाना प्रभारी द्व रामसिंह राठौर, उप निरीक्षक अशोक शर्मा, प्रधान आरक्षक गुलसिंग अलावा, आरक्षक जितेंद्र कन्नोजे, आरक्षक रोहित राय आरक्षक दीपक भाटिया आरक्षक देवेंद्रसिंह डावर सैनिक लक्ष्मण चौहान, सैनिक मनोहर भूरिया 100 डायल पायलेट दीपक वर्मा,आरोपी की तलाश विवेचना की जा रही है। प्रकरण दर्ज कर लिया है, आरोपियों की तलाश जारी है, जल्द आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे, क्षेत्र में अवैध गतिविधियां नहीं चलने दी जाएगी

मुखबिर की सूचना के बाद मौके पर वहां से शराब जप्त कर प्रकरण दर्ज कर लिया है, आरोपी की तलाश की जा रही है, राम सिंह राठौड़ थाना प्रभारी मांडू

एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम के जयघोष से गूंज उठा गगन

हिन्दू नववर्ष प्रतिप्रदा पर सर्व हिन्दू समाज ने निकाली विशाल प्रभातफेरी

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम के उदघोष से पूरा गगन उस गुंजायमान हो गया जब नगर के मुख्य मार्गो पर नगर की धर्मप्रेमी जनता ने विशाल प्रभात फेरी निकाली

सर्व हिन्दू समाज ने निकाली प्रभातफेरी : इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा का शुभारंभ 30 मार्च रविवार को हे । इस शुभ अवसर पर समस्त हिन्दू समाज पेटलावद के द्वारा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हिन्दू नववर्ष गुडी पड़वा पर विशाल प्रभातफेरीका आयोजन किया गया।

सूर्य नमस्कार कर नववर्ष का स्वागत : उक्त प्रभातफेरी का शुभारम्भ सुबह 06 बजे स्थानीय शंकर मन्दिर प्रांगड़ से हुआ । जो धर्म पताका लहराते हुए भजनों को गाते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। जिसका आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया उक्त प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में नगर की धर्मप्रेमी जनता शामिल हुई। अंत मे सबने सूर्यदेव को अर्ध्य देकर सूर्य नमस्कार किया ।नववर्ष का इतना सुंदर और भव्य शुरुआत ओर शुभारंभ होने से आज हर नगरवासि खुद को हर्षित महसूस कर रहा था।

कैबिनेट मंत्री चौहान की विशेष उपस्थिति में हुए विक्रमोत्सव के अंतर्गत विभिन्न आयोजन

जनजागरण से ही सांस्कृतिक पुनरुत्थान संभव : कैबिनेट मंत्री चौहान

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। कैबिनेट मंत्री श्री नागर सिंह चौहान एवं कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर की विशेष उपस्थिति में कॉलेज सभागार में नववर्ष प्रतिपदा के अवसर पर विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम कैबिनेट मंत्री चौहान एवं कलेक्टर डॉ बेडेकर ने सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में सूर्य देव की उपासना करते हुए अर्घ्य समर्पित किया 1 इसके पश्चात प्रगति एवं गतिशीलता के प्रतिक के रूप में ब्रह्म ध्वज की स्थापना की । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने बताया कि विक्रमोत्सव के आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी के अंदर वैदिक काल गणना के विषय में जिज्ञासा जागृत करना है । कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने बताया कि आज का दिन सृष्टि प्रारंभ एवं विक्रम संवत के प्रारंभ होने का दिवस है , आज से काल गणना के अनुसार हम लोग 2082 वे वर्ष में प्रवेश कर रहे है । उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय संस्कृति में नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है । देश में गुड़ी पड़वा , चैती चांद उगादी जैसे नामों से इस दिन को मनाया जाता है ।

कैबिनेट मंत्री चौहान ने उपस्थित जनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की एवं बताया कि यह मध्यप्रदेश शासन की अच्छी पहल है कि भारतीय नव वर्ष को इतने बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है । विक्रमोत्सव के माध्यम से इतिहास की जो जानकारी हमें नहीं प्राप्त थी वह भी पहुंचाई जा रही है । हमारी संस्कृति में काल गणना प्राचीन समय से की जा रही है । इसके विषय में जानकारी का अभाव रहता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जो जानकारी आप लोगों को प्राप्त हुई है वह जन जन तक पहुंचाए ,उसी के माध्यम से सांस्कृतिक पुर्नउत्थान संभव होगा । उन्होंने इस दौरान वैदिक इतिहास की जानकारी से परिपूर्ण पुस्तक का भी विमोचन किया ।

उन्होंने कहा कि इस पुस्तिका में उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा वैदिक काल गणना , वैदिक घड़ी , अदि के विषय में विस्तृत जानकारी है । इसके पश्चात मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के श्री शैलेन्द्र मण्डोड एवं आयशा चौहान के नाट्य दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य का मंचन किया जिसमें राजा विक्रमादित्य के जीवन के विषय में , विक्रम संवत की अवधारणा एवं शक साम्राज्य पर मालवा नरेश विक्रम सेन की विजय का सजीव मंचन किया गया ।

इस दौरान संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रियांशी भंवर , अनुविभागीय अधिकारी श्री एसआर यादव , सीजी गोस्वामी , डिप्टी कलेक्टर सुश्री निर्मला कलमे , प्रभारी सहायक आयुक्त संजय परवाल ,जिला शिक्षा अधिकारी अर्जुन सिंह सोलंकी , समेत होस्टल अधिक्षक एवं अधिक्षिकाएं एवं संबंधित विभाग कर्मचारी उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

किसानों से अपील- नरवाई न जलाएं, धरती बचाए नरवाई जलाने पर होगी कार्रवाई

इन्दौर, नप्र। इंदौर जिले में किसानों से आग्रह किया गया है कि वे पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से नरवाई नहीं जलाये। नरवाई जलाना पर्यावरण , मानव जीवन और भूमि की उर्वरा शक्ति के लिये हानिकारक है। जिले में वर्तमान में गेहूं के साथ-साथ अन्य फसलों की कटाई का कार्य किया जा रहा है। कटाई के उपरांत खेतों में शेष अवशेषक (नरवाई) बचता है जिन्हें किसान अनुपयोगी समझकर आग लगाकर नष्ट कर देते है इससे भूमि की उर्वरा शक्ति कमजोर होती है एवं प्रदूषण फैलता है। उप संचालक कृषि श्री सी.एल.केवड़ा ने बताया कि नरवाई में लगभग नत्रजन 0.5 प्रतिशत, स्फुर 0.6 प्रतिशत और पोटाश 0.6 प्रतिशत पाया जाता है, जो नरवाई में जलकर नष्ट हो जाता है। भूमि में उपलब्धत जैव विविधता समाप्त हो जाती है अर्थात भूमि में उपस्थित लाभ दायक सूक्ष्म जीव एवं केचुआं आदि विभिन्न जीव जलकर नष्ट हो जाते है, जिससे भूमि की भौतिक दशा खराब हो जाती है। भूमि कठोर हो जाती है जिसके कारण भूमि की जलधारण क्षमता कम हो जाती है। फलस्वरूप फसलें जल्दी सूखती है। भूमि में होने वाली रासायनिक क्रियाएं भी प्रभावित होती है जैसे कार्बन, नाईट्रोजन एवं कार्बन फास्फोरस का अनुपात बिगड जाता है, जिससे पौधो को पोषक तत्व ग्रहण करने में कठिनाई होती है। कई बार नरवाई की आग फैलने से जनधन की हानि होती है एवं पेड़-पौधे जलकर नष्ट हो जाते है। कृषि विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों के सूचना पटलों पर पहले ही सूचना बनाम चेतावनी भी चस्पा की जा चुकी है। पंचायतवार कार्यक्रम बनाकर किसानों को नरवाई न जलाने की समझाइश दी जा रही है। विभागीय मैदानी अमले द्वारा गांव-गांव जाकर चौपाल लगाकर किसानों को समझाइश दी जा रही है कि खेतों की जुताई करे या रोटावेटर चलाकर नरवाई को यथास्थान जमीन में मिला दे। साथ ही हैप्पी सीडर एवं जीरो टिलेज सीड ड्रिल से बोनी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन यंत्रो के उपयोग से फसल अवशेष को भूमि में मिलाया जा सकेगा। इससे भूमि उर्वरा शक्ति बढेगी तथा फसल उत्पादन बेहतर प्राप्त होगा तथा लागत में कमी आयेगी।

जिले में प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान

तीन माह के अभियान में नये तालाब बनेंगे, पुराने तालाबों, बावड़ियों तथा कुँओं का होगा जीर्णोद्धार-सघन वृक्षारोपण भी किया जायेगा

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का रविवार को शुभारंभ हुआ। पहले दिन आज जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिये जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किये गये। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन वृक्षारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान आगामी 30 जून तक सतत चलेगा।

यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रारंभ किया गया है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। इस अभियान में जल स्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा। कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि अभियान के पहले दिन आज ग्रामीणों के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरूआत की गयी। जिले के महू जनपद पंचायत के ग्राम जामबुजुर्ग में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तालाब निर्माण कार्य की शुरूआत की गयी। इसी तरह गाँव में वर्षा जल को सहजने के लिये बोल्डर चेकडेम के निर्माण भी प्रारंभ किये गये। इसी प्रकार रामपुरिया ग्राम में भी ग्रामीणो के सहयोग से चेकडेम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। अन्य ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी प्रकार इंदौर जनपद के ग्राम झलारिया में तालाब की साफ-सफाई का काम हाथ में लिया गया। इसी जनपद पंचायत के ग्राम खुडैल खुर्द में भी तालाब की सफाई के कार्य की शुरुआत की गयी।

बनेंगे 19 नये अमृत सरोवर

उन्होंने बताया कि जिले में गत वर्ष चलाये गये अभियान के तहत 101 नये अमृत सरोवर बनाये गये थे। इन सरोवरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी। अभियान में अमृत सरोवर 2.0 के तहत 19 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग 4 करोड़ 18 लाख रुपये व्यय होना संभावित है । अब तक 10 स्थलों का चयन हो चुका है, जबकि शेष का चयन 30 मार्च 2025 तक वैज्ञानिक (लढ्ढस्) पद्धति से किया जाएगा।

तालाबों से हटेंगे अतिक्रमण

अभियान के तहत राजस्व विभाग के साथ तालाबों का सीमांकन किया जायेगा। राजस्व अभिलेखों में नवीन तालाबों को दर्ज किया जायेगा। तालाबों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की सीमा को दर्शाने हेतु चॉदे-मुनारे बनाये जायेंगे। तालाबों का जन भागीदारी से गहरीकरण होगा । मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से तालाब का जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। तालाबों में जल की आवक बढ़ाने के लिये इनलेट क्षमता बढ़ायी जायेगी। तालाबों के पास पौधारोपण होगा। उपयोगकर्ता समूह बनाकर संधारण एवं रख रखाव किया जायेगा।

नदियों के स्त्रोत के कैचमेंट पर होंगे कार्य

जिले की महत्वपूर्ण नदियों के स्त्रोत से वाटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य किये जायेंगे । रिमोट सेंसिंग और फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर कार्ययोजना बनाकर एक वर्ष के भीतर कार्य पूर्ण किया जाएगा । गेबियन संरचना, ट्रेंच, वृक्षारोपण, चेकडेम तालाब आदि कार्य समुदाय की भागीदारी से किये जायेंगे।

पूर्व निर्मित जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार

पूर्व में उपयोगी रहे लेकिन वर्तमान में अनुपयोगी चेकडेम व स्टॉप डेम का सर्वेक्षण किया जाएगा । सर्वेक्षण के आधार पर जीर्णोद्धार की कार्ययोजना तैयार कर कार्य किये जायेंगे। गाद निकालने में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी । ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक कुँओं की मुण्डेर को सुव्यवस्थित किया जायेगा।

शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

इन्दौर, नप्र। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दिव्यांगजन आवासीय परिसर, संस्कृति रायल सिटी रोड़ तालाब के सामने राऊ में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। इस संस्थान में शारीरिक दिव्यांग बालकों को जो 06 वर्ष एवं अधिक आयु समुह के हो, उन्हें नियमानुसार कक्षा 01ली से कक्षा 12वीं में शिक्षण हेतु प्रवेश दिया जायेगा। सत्र 2025-26 हेतु प्रवेश प्रारंभ हो गया है।

प्रवेश के लिए आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता, अंतिम उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार द्वारा जारी), दिव्यांगता का प्रमाण पत्र (कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांगता होना आवश्यक है), दिव्यांगता दर्शाते हुए 06 फोटो, मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (डिजिटल), आधार कार्ड, समग्र सामाजिक सुरक्षा आई.डी. (SSSM ID), यू.डी.आय.डी., बैंक खाता आधार से लिंक किया हुआ और जन्म प्रमाण पत्र आदि की छायाप्रति लगाना होंगी।

इस संस्थान में इन्दौर नगर निगम सीमा से बाहर निवास करने वाले बालकों को प्रवेश पश्चात छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। बालक दैनिक दिनचर्या एवं नित्यकर्म (स्वयं रोजमर्रा के कार्य) करने में सक्षम होना चाहिए एवं किसी संक्रामक रोग से पीड़ित न हो । आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में अवकाश दिवस को छोड़कर स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा नि:शुल्क प्राप्त किये जा सकते है।

बेटमा नगर में नववर्ष की अगवानी पर हुआ भारत माता पूजन व कन्या पाद पूजन, सामाजिक समरसता यज्ञ में समाजजनों ने दी आहुति

सुनिल मुनिया

बेटमा। उल्लास, उमंग एवं उत्साह के साथ भारतीय हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर रविवार को स्थानीय अम्बेडकर चौराहे पर भारत माता पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। संयोजक भूपेंद्र पंचोली ने बताया कि विगत 24 वर्षों से नववर्ष की अगवानी पर भारत माता पूजन के साथ कन्या पाद पूजन व सामाजिक समरसता यज्ञ भी आयोजित किया जाता हैं जिसमें सभी समाजजन जाती वर्ग भेद को समाप्त कर समरस हिन्दू समाज के लिए आहुतियां डाली। गुड़ी पड़वा पर गुड़ धनिये के वितरण के साथ राष्ट्र, धर्म व संस्कृति के रक्षार्थ एक दूसरे को रक्षा सूत्र भी बांधे गए। इसके साथ ही सुबह 7 बजे मंडी प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक संघ के प्रथम सरसंघचालक परम् पूज्य केशव बलिराम हेडगेवार को प्रणाम करने के लिए एकत्रित हुए। गुड़ी पड़वा पर सूर्य को अर्घ देने, घरों में भगवा पताका लगाने, रंगोली बनाने, समाज बंधुओं को नववर्ष की बधाई शुभकामनाएं देने का आव्हान किया जा रहा है। तो वही वैश्य समाज ने नगर में दो पहिया वाहन रैली भी निकाली। इसके साथ ही नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में घटस्थापना भी हुई।

यादों की अनमोल संदूकची है- संस्मरण

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। हंसा मेहता की दो पुस्तकों ' खाली डॉयरी '(लघु कथा संग्रह) और 'वचनम किम् दरिद्रम' (संस्मरण) का लोकार्पण श्री मध्य भारत हिन्दी समिति में किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में लघु कथा संग्रह 'खाली डायरी' पर बोलते हुए डॉ.योगेन्द्र नाथ ने कहा कि हंसा मेहता ने अपनी लघुकथाओं में समाज में फैलती जा रही संघर्षमय जीवन,स्वार्थ प्रियता, आत्मकेंद्रीयता, अलगाव, रिश्तों में टूटन जैसी बुराईयों को रचनाओं में प्रचुरता से स्थान दिया है।

चर्चाकार एवं संस्था अध्यक्ष ज्योति जैन ने संस्मरण विधा की कृति 'वचनम् किम् दरिद्रम' पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हंसा मेहता ने अपनी यादों की संदूकची में से बहुत सारे संस्मरण निकाल कर हमारे सामने रख दिए हैं। इन संस्मरणों में परिवार प्रमुखता से व्यक्त हुआ है ।इसके अलावा संवेदनशीलता, सामाजिकता, और धार्मिक पाखण्ड आदि भी प्रभावी रूप से व्यक्त हुए हैं जो हमें सोचने पर विवश कर देते हैं। कार्यक्रम की विशेष अतिथि डॉ. सुधा चौहान ने लेखिका की रचनाधर्मिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लेखन का सीधा संबध दिल से होता है। अभिव्यक्ति के समय लेखक का स्वयं से साक्षात्कार होता है और रचना जीवंत हो उठती है यही जीवंतता उनकी रचनाओं में है।

अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में हंसा मेहता ने स्पष्ट किया कि शिकायतों की गठरी जितनी हलकी होगी जीवन उतना ही शांत होगा। मन की छटपटाहट का आलेख हैं मेरी पुस्तकें ;अवांछनीयऔर त्याज्य घटनाओं को अपने आसपास घटित होते देखती हूं तो उन्हें अपनों से साझा करना चाहती हूं। वे ही लघुकथाओं और संस्मरण के रूप में पाठक के समक्ष आ जाती हैं।

कार्यक्रम का संचालन प्रीति दुबे, सरस्वती वंदना वाणी जोशी ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत एवं स्मृति चिन्ह् मनीष मेहता, पद्मा राजेन्द्र, इंदु पाराशर, सुजाता देशपांडे,ऊषा मेहता, कविता मेहता आदि ने भेंट किए तथा आभार प्रशांत मेहता ने व्यक्त किया।

ग्रीष्म ऋतु में लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु आवश्यक सुझाव

इन्दौर, नप्र। इंदौर जिले में बढ़ते तापमान को देखते हुये ग्रीष्म ऋतु में लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु एडवायजरी जारी की गई है। लू (तापघात) से बचाव एवं उपचार हेतु जारी एडवायजरी में दिये गये सुझावों का पालन करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.सैत्या ने नागरिकों से अपील की है कि लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव के उपाय करें। उन्होंने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पीये व खाली पेट न रहें, गर्मी व तापघात से बचाव के लिए खूब पानी पीये व खाली पेट न रहें, शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में 12 से 04 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पीये, बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ओ.आर.एस. का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है। इनका सभी उपायों का उपयोग कर गर्मी के प्रभाव से बचा जा सकता हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी (म.प्र.)

E-mail ID : modgmbar@mp.gov.in

क्रमांक 579/खनिज/2025 — बड़वानी, दिनांक : 26/03/2025

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि **आवेदिक श्री संजय कुमार खण्डेलवाल पिता श्री मोहनलाल निवासी 213, गांधी मार्ग वार्ड क्रमांक 03, धानमण्डी चौक अंजड़ तहसील अंजड़ जिला बड़वानी (म.प्र.)** के द्वारा उत्खनिपट्टा गौण खनिज मिट्टी, (यांत्रिक क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण हेतु), मुरूम एवं एम-सेण्ड प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 23.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बड़वानी	अंजड़	पलासिया	158, 161	4.000 हेक्टेयर	शासकीय भूमि	गिट्टी, (यांत्रिक क्रिया से गिट्टी निर्माण हेतु), मुरूम एवं एम-सेण्ड हेतु	36240
			कुल रकबा	4.000 हेक्टेयर			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है, तो प्रथम आवेदक के पक्षे में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी, अधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा)
जिला बड़वानी (म.प्र.)

जी-24940/24 — "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

अभनपुर - रायपुर के बीच मेमू ट्रेन सेवा (व्हाया-मंदिर हसौद) का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया गया

प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में 7 रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी

विनय उजाला

बिलासपुर। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 7 रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 4 महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया, जिनकी कुल लागत रु. 2,695 करोड़ है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मोहभट्टा, बिलासपुर स्थित कार्यक्रम स्थल से अभनपुर-रायपुर के बीच मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। ये परियोजनाएं राज्य में रेल परिवहन को और मजबूत करेंगी, जिससे यात्री एवं माल परिवहन को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।

आधारशिला रखी गई 7 रेलवे परियोजनाएं:

1. खरसिया-झाराडीह (पांचवी लाइन) - 6 किमी (लागत: रु. 80 करोड़)
2. सरगबुंदिया-मड़वारानी (तीसरी एवं चौथी लाइन) - 12 किमी (लागत: रु. 168 करोड़)
3. दाधापारा-बिल्हा-दगोरी (चौथी लाइन) - 16 किमी (लागत: रु. 256 करोड़)
4. निपनिया-भाटापारा-हथबंद (चौथी लाइन) - 23 किमी (लागत:रु. 347 करोड़)
5. भिलाई-भिलाई नगर-दुर्ग लिंक केबिन (चौथी लाइन) - 12 किमी (लागत: रु. 233 करोड़)
6. राजनांदगांव-डोंगरगढ़ (चौथी लाइन) - 31 किमी (लागत: रु. 328 करोड़)
7. करगी रोड-सल्का रोड (तीसरी लाइन) - 8 किमी (लागत: रु. 95 करोड़)

राष्ट्र को समर्पित की गई रेलवे परियोजनाएं:

1. राजनांदगांव-बोरतलाव (तीसरी लाइन) - 48 किमी (लागत: रु. 747 करोड़)
2. नई रेल लाइन - मंदिर हसौद-केन्द्री-अभनपुर - 26 किमी (लागत: रु. 353 करोड़)
3. दुर्ग-रायपुर (ऑटोमैटिक सिग्नलिंग) - 37 रेल किमी (लागत: रु. 88 करोड़)
4. छत्तीसगढ़ राज्य में शत-प्रतिशत रेलवे लाइन का विद्युतीकरण

मेमू ट्रेन सेवा का शुभारंभ:

अभनपुर-रायपुर (व्हाया-मंदिर हसौद) मेमू ट्रेन सेवा

ये परियोजनाएं छत्तीसगढ़ के रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाएंगी, माल और यात्री परिवहन की गति बढ़ाएंगी और राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल मोहभट्टा बिलासपुर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रामेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा, जप्रतिनिगण, रेलवे, एनटीपीसी सहित अन्य उपक्रमों व राज्य सरकार के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में जनसमूह उपस्थित थे।

परियोजनाओं के प्रमुख लाभ:

नया रायपुर के लिए बेहतर कनेक्टिविटी: अभनपुर, रायपुर, और मंदिर हसौद के बीच मेमू ट्रेन सेवा शुरू होने से स्थानीय यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह सेवा छत्तीसगढ़ राज्य मंत्रालय और सचिवालय जाने वाले दैनिक यात्रियों के लिए समय और धन की बचत करेगी तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी।

यात्रियों के लिए तेज़ और सुविधाजनक यात्रा: नई रेलवे लाइनों और अतिरिक्त ट्रैकों के निर्माण से ट्रेन की गति बढ़ेगी, जिससे यात्रा अधिक तेज़ और सुगम होगी।

रेल यातायात में सुधार: तीसरी, चौथी और पाँचवीं लाइन की परियोजनाएं ट्रेन संचालन क्षमता को बढ़ाएंगी, जिससे ट्रेनों की समयबद्ध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

माल परिवहन को बढ़ावा: औद्योगिक रेलवे मार्गों के उन्नयन से कोयला, इस्पात और अन्य सामानों का परिवहन तेज़ और किफायती होगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

नए राजधानी क्षेत्र के लिए बेहतर कनेक्टिविटी: अभनपुर-केन्द्री-मंदिर हसौद रेलवे लाइन नया रायपुर को रेलवे नेटवर्क से सीधे जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

मध्यप्रदेश शासन नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास वि./यां. संभाग क्रं.15, ई-1/7, नर्मदा कॉलोनी, स्कीम नं. 78 विजय नगर, इन्दौर (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना वास्ते प्रकाशन ::

निविदा सूचना क्रं. 75 से 78/व.ले.लि./2024-25 — दिनांक : 28.03.2025

स. क्रं.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रू.में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_NVDA_413021_1	जीराबाद जिला धार (म.प्र.) में स्थित आर.बी.सी. मुख्य नहर के मनावर डिस्ट्रीब्यूटरी मायनर गेटों (एम-2, एम-3, एम-5) के सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	रू.269801.00 (रूपये दो लाख उनसत्तर हजार आठ सौ एक) मात्र	रू.5396.00 (रू. पांच हजार तीन सौ छियानवे) मात्र	रू.2000.00 (रू. दो हजार) मात्र	लो.नि.वि. भोपाल में केन्द्रीयकृत पद्धति के अंतर्गत पंजीकृत	21 दिन
2	2025_NVDA_413027_1	मान परियोजना जीराबाद जिला धार में 33 केवी सब स्टेशन के 2 नंबर 315 केवीए ट्रांसफार्मर के मरम्मत कार्य, आईल फिल्टरेशन और आईल टॉपअप के लिये सामग्री प्रदान करना और ठीक करना।	रू.199309.00 (रूपये एक लाख निन्यानवे हजार तीन सौ नो) मात्र	रू.3986.00 (रू. तीन हजार नौ सौ छियासी) मात्र	रू.1000.00 (रू. एक हजार) मात्र	लो.नि.वि.भोपाल में केन्द्रीयकृत पद्धति के अंतर्गत पंजीकृत तथा विद्युत लायसेंस 'अ' श्रेणी	21 दिन
3	2025_NVDA_403040_1	मान परियोजना जीराबाद जिला धार में आर.बी.सी. के स्लूस और आपातकालीन गेट के लिये गियर सिस्टम और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ब्रेक सिस्टम और आई. बीम के कव्हर का सुधार एवं मरम्मत एवं निर्माण का कार्य।	रू.241717.00 (रूपये दो लाख इकतालिस हजार सात सौ सत्रह) मात्र	रू.4834.00 (रू. चार हजार आठ सौ चौतिस) मात्र	रू.2000.00 (रू. दो हजार) मात्र	लो.नि.वि.भोपाल में केन्द्रीयकृत पद्धति के अंतर्गत पंजीकृत	21 दिन
4	2025_NVDA_403042_1	जोबट परियोजना, नानपुर जिला अलीराजपुर में 25 एच.पी., 30 एच.पी. और 40 एच.पी. डीवार्टरिंग पंप के नियंत्रण पेनल के स्पेयर कॉन्ट्रेक्ट किट, कॉईल, इंडिकेटिंग उपकरण की आपूर्ति एवं लगाये जाने का कार्य।	रू.103446.00 (रूपये एक लाख तीन हजार चार सौ छियालिस) मात्र	रू.2069.00 (रू. दो हजार उनसत्तर) मात्र	रू.1000.00 (रू. एक हजार) मात्र	लो.नि.वि.भोपाल में केन्द्रीयकृत पद्धति के अंतर्गत पंजीकृत तथा विद्युत लायसेंस 'अ' श्रेणी	21 दिन

निविदा कार्य के प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि : 17/04/2025, 17.30 तक (केवल ऑनलाइन)
निविदा की धरोहर राशि खुलने की तिथि : 21/04/2025, 10.30 से 21/04/2025, 17.30 तक (केवल ऑनलाइन)
प्राइज बीड खुलने की तिथि : 21/04/2025, 10.30 से 21/04/2025, 17.30 तक (केवल ऑनलाइन)

निविदा प्रपत्र को उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाइन पर भुगतान डेबिट/कैश कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग अकाउण्ट्स के माध्यम से किया जा सकता हैं।

निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

कार्यपालन यंत्री
न.वि.वि./यां.सं. क्रं.15,इंदौर

जी-24965/24 — "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

सम्पादकीय

अमित शाह का संकल्प

केंद्र की वर्तमान सरकार का नक्सलमुक्त भारत अभियान अपनी गति पर है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के दो अलग-अलग अभियानों में 30 नक्सली मारे गए।गृह मंत्रालय के अनुसार 2025 के इन तीन महीनों में 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 204 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है।2024 में 290 नक्सलियों को मार गिराया गया था। 2004 से 2014 के दौरान नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं। अब मोदी सरकारा के कार्यकाल में 2014-24 के बीच नक्सली हिंसा की संख्या 53 फीसद घटकर 7,444 रह गई है।इन आंकड़ों को देखकर लगता है कि गृह मंत्री अमित शाह 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने का अपना संकल्प पूरा कर लेंगे। नक्सलवादी आंदोलन की भीतरी स्थिति क्या है, यह मालूम करने के स्रोत सूख गए हैं। अब जिस तरह का माहौल बन गया है, या सरकार ने बना दिया है, उसमें अब कोई भी न तो नक्सलवादियों की जमीनी हकीकत को सामने लाने की स्थिति में है और न उनके विचारधारात्मक पक्ष की वकालत करने की स्थिति में है।सरकार प्राय-जिस अर्बन नक्सलवाद शब्द का प्रयोग करती है और जिन-जिन बौद्धिक या वैचारिक समूहों पर शहरी नक्सलवादी होने का आरोप लगाती है, वे भी वस्तुत- सरकार विरोधी हैं, नक्सलवाद समर्थक कम। यह इस दौर का ठोस यथार्थ है कि नक्सलवाद की जमीन अब खत्म हो गई है। मुख्य धारा का कोई भी राजनीतिक दल या क्षेत्रीय दल दलितों-आदिवासियों के शोषण को अपनी राजनीति के केंद्र में नहीं रखता।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के आदिवासी समूह न केवल बढ़-चढ़ कर चुनावी प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं, बल्कि नक्सलवाद को अपने लिए अवरोधक मानकर उसके प्रति तिरस्कार का रुख अपना रहे हैं। इन परिस्थितियों में नक्सलवादियों के लिए शायद यही श्रेष्ठ विकल्प है कि वे अपनी रणनीति बदलें और हथियार छोड़कर देश भर में व्याप्त शोषण और अन्याय के विरुद्ध वैचारिक विमर्श की रणनीति अपनाएं। इससे हो सकता है कि मौजूदा राजनीति को शोषण को समझने और उससे निपटने के लिए एक अधिक प्रभावी दृष्टि उपलब्ध हो।

नववर्ष प्रार्थना

मां आदिशक्ति भगवती, नव वर्ष में दे गति-मति... !!!
सदैव निरोगी काया दे, सत्मार्ग सुकर्मी माया दे।
धन-धान्य के भंडार दे, सद्बुद्धि के नवाचार दे।।
मां आदिशक्ति भगवती... !!!
हृदय में ज्ञान ज्योति दे, प्रवृत्ति में स्नेह मोती दे।
शौर्य साहस वरदान दे, जग में मान-सम्मान दे।।
मां आदिशक्ति भगवती... !!!
दान करें ऐसी समृद्धि दे, यश-कीर्ति-गुण संपत्ति दे।
वंशवृद्धि, गुणी विवेकी दे, अनुगत निपूर्ण संतति दे।।
मां आदिशक्ति भगवती... !!!
सकल पीड़ा दूर कर दे, आस विश्वास से भर दे।
कुंटुब में प्रेम के सेतु दे, अर्थ स्व, परहित हेतु दे।।
मां आदिशक्ति भगवती... !!!
शांति, सौहार्द, शक्ति दे, नित ध्यान हेतु भक्ति दे।
सर्वहितार्थ की युक्ति दे, सत्गति, मोक्ष, मुक्ति दे।।
मां आदिशक्ति भगवती... !!!

विनय उजाला
सपना सी.पी. साहू (स्वप्निल) इंदौर (म.प्र.)

मनका भोले नाम का

आओ भोले पास में बैठें,
मिलकर थोड़ा-सा बतियालें,
इधर-उधर की छोड़ दें चिंता,
बस मन भर कर मुस्कालें।
आओ भोले पास .....
इसका लेना उसका देना,
यहीं धरा रह जाएगा,
भोले से जीवन का सारा,
सार समझ में आएगा।
आओ भोले पास ......
भोले अपने मन की कह कर,
मन मेरा बहलाते हैं,
भावों में बह जाते हैं हम,
अश्रु चरण गिर जाते हैं।
आओ भोले पास .....
कांधे पर थपकी दे देकर,
कसर पूरी करते भोले,
जीवन की हर मृगतृष्णा को,
खुद हर जाते हैं भोले।
आओ भोले पास ....
तन-मन में जो बंधा हुआ है,
मनका भोले नाम का,
एक-एक मोती शिव मूरत-सा,
दिखता भोलेराम का।
आओ भोले पास ....
(207/260 वां मनका)

विनय उजाला
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी (राम) गांधीनगर, इन्दौर (म.प्र.)

भारत ने लिया 25 साल पुराना बदला विशेष सम-सामयिक

अदालतों में कब बंद होगा नारी विरोध?

नौशाबा परवीन

भारत कासगंज (उत्तर प्रदेश) से लगभग 60 किमी के फासले पर 200 परिवारों का एक छोटा सा गांव है, जिसमें अधिकतर गरीब श्रमिक व गरीब किसान रहते हैं, जिनके पास 1 बीघा से भी कम कृषि भूमि है। इस गांव में आजकल उस 'छोटी बच्ची' को हर कोई जानता है, जो इन दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के केंद्र में है। घटना 10 नवम्बर 2021 की है। यह 11-वर्ष की बच्ची अपनी मां के साथ पैदल गांव लौट रही थी कि रास्ते में दो युवक- 25-वर्षीय पवन कुमार व 30-वर्षीय आकाश सिंह उन्हें मिले, जिन्हें मां-बेटी जानती थीं। युवकों ने अपनी बाइक पर इन्हें लिफ्ट देने का ऑफर दिया। मां सहमत हो गई। कुछ दूर चलने पर युवकों ने अपनी बाइक एक पुलिया के निकट रोक दीं और उन्होंने बच्ची के निजी अंगों को दबोचा, आकाश ने बच्ची के पायजामे का नाड़ा तोड़ा। बच्ची को पुलिया के नीचे घसीटने का प्रयास किया गया। बच्ची चीखी, जिसने रास्ते पर चलते लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वह मदद के लिए पहुंचे तो युवक वहां से भाग खड़े हुए। शिकायत लेकर जब मां पवन के घर पहुंची तो उसे गालियां दी गईं और बंदूक दिखाकर धमकाया गया। पुलिस ने अनेक बार एफआईआर दर्ज करने से इंकार कर दिया।

विनय उजाला

मजबूरन मां ने जनवरी 2022 में पोक्सो कोर्ट में दस्तक दी। इसके बाद ही औपचारिक रूप से शिकायत स्वीकार की गई। आरोपी आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत बुक किये गये। इसके विरुद्ध आरोपियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील की जहां न्यायाधीश राम मनोहर नारायण मिश्रा ने विवादित व चिंताजनक टिप्पणी की कि बच्ची के निजी अंगों से छेड़खानी करना, उसके पायजामे का नाड़ा जबरन तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे घसीटना न तो बलात्कार है और न ही बलात्कार का प्रयास। न्यायाधीश ने आरोपियों पर लगी सख्त धाराओं को कम करते हुए उन्हें यौन हमले की धाराओं में बदल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मार्च 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय को 'पूर्णतरू अमानवीय व असंवेदनशील' घोषित करते हुए उस पर रोक लगा दी। इन फ़ैसलों से 'छोटी बच्ची' के परिवार की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आया है, जिसने इस क़ानूनी संघर्ष के लिए निजी ऋणदाताओं से मोटे ब्याज पर 2.5 लाख रुपया उधार लिया था और अब उसके पास इसे वापस करने का कोई रास्ता नहीं है? इसी सोच में बच्ची के 70-वर्षीय दादा अपनी चार फीट ऊंची झोंपड़ी, जिस पर ज़ंग खाती एस्बेस्टस की छत है जो गर्मी को अंदर ही रोक देती है, के बाहर उदास बैठे रहते हैं।

उनका कहना है, मैं पूरी तरह से समझ नहीं पाया हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा है। लेकिन मुझे हाईकोर्ट ने जो कहा वह बताया गया था। अगर हमारी लड़कियों की सुरक्षा अदालतें नहीं करेंगी तो फिर कौन करेगा? वह इंसाफ के लिए इस सीमा तक भी न पहुंच पाते अगर स्थानीय समाजसेवी सरोज चौहान ने मदद न की होती । चौहान के अनुसार, पांच गांवों की इस पॉकेट में यादव अल्पमत में हैं और उन्हें अक्सर दबाया जाता है। बच्ची के पैरेंट्स व भाई इस केस के सिलसिले में दिल्ली में हैं । बच्ची को गांव से दूर किसी 'सुरक्षित' स्थान पर भेज दिया गया है। क्यों? चूंकि आरोपी प्रभावी परिवारों से संबंधित हैं और उनके पास बंदूकें हैं। बच्ची के परिवार को बंदूकों के बल पर केस वापस लेने के लिए धमकाया जा रहा है, ऐसा बच्ची के चाचा का कहना है । उनके अनुसार, गांव में गरीब परिवारों के लिए दबंगों के सामने खड़ा होना खतरे से खाली नहीं है- न्याय के लिए प्रयास करना कानूनी संघर्ष करने से भी अधिक कठिन है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चिंताजनक टिप्पणी अचानक नहीं की थी बल्कि चार माह की सुनवायी के बाद सोच समझकर और जानबूझकर की थी। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को यह 'अति गंभीर मुद्दा' लगा और उसने न्यायाधीश मिश्रा के विरुद्ध 'सख्त शब्दों' के प्रयोग पर 'खेद' भी व्यक्त किया।

यह स्वागतयोग्य है कि बलात्कार प्रयास के इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने परेशान करने वाले हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी, लेकिन इस क़िस्म के आदेश दुखद रूप से कुछ ज़यादा ही दिये जा रहे हैं। अगर इस क़िस्म का आदेश 688 ज़िला अदालतों में से भी कोई एक देती तो भी वह परेशान करने वाला होता, लेकिन यह तो हाईकोर्ट में हुआ, जिनकी संख्या केवल 25 है और जो रैंक में सिर्फ़ सुप्रीम कोर्ट से नीचे हैं। इसलिए निराशा होनी स्वाभाविक है कि हमारे देश में महिलाओं के विरुद्ध न्याय का पलड़ा कितना अधिक झुका हुआ है। अगर बच्ची के निजी अंगों को दबाना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और पुलिया के नीचे घसीटना बलात्कार का प्रयास नहीं है तो फिर क्या है? जो लोग कभी गांवों में नहीं रहे वह 'पुलिया के नीचे घसीटने' के मर्म को समझ ही नहीं सकते। गांव की पुलिया के नीचे हज़ारों दिल दहलाने वाली दास्तानें दफन रहती हैं, उन्हें अगर सामने लाया जायेगा तो डर के मारे कई रातों की नींद उड़ जायेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तो परेशान करने वाला एक क़ानूनी फिक्शन भी तहरीर कर दिया जो भविष्य में बलात्कार के दोषियों को सज़ा दिलाना अधिक कठिन कर देगा, यह घोषणा करके कि 'अपराध करने की तैयारी और वास्तव में अपराध करने के बीच मुख्य अंतर इरादे की अधिक डिग्री का है।' यह बीजान्टिन सिद्धांत तो बचाव पक्ष के लिए मन्ना (आसमान से भेजा गया खा। पदार्थ) होता। शुक्र है कि हाईकोर्ट के इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए रोक लगा दी कि इसमें 'कुछ से तो कानून के सिद्धांत पूर्णतः अपरिचित हैं' और यह 'पूर्णतरू असंवेदनशीलता और अमानवीय दृष्टिकोण' व्यक्त कर रहे हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के लिए यह बात नई न थी। मसलन, 2021 में उसने न्यायिक आदेशों व फैसलों में 'घुसी पितृसत्तात्मकता व नारी द्वेष दृष्टिकोण' के विशाल कैनवस के विरुद्ध एक चेकलिस्ट जारी की थी। हालांकि संवैधानिक अदालतों के कट्टरवादी फैसले सुर्खियां बन जाते हैं लेकिन निचली अदालतों में तो इनकी स्थिति संख्या व गुणवत्ता की दृष्टि से बद से भी बदतर है। कितनी ही अदालती कार्यवाहियों में हम देख चुके हैं कि बलात्कार के मामलों में विवाह को 'न्याय व समाधान' के तौरपर ऑफर किया जाता है। जिरह के दौरान महिला के यौन इतिहास को भद्दे अंदाज़ में उछाला जाता है। इस बात को पूर्णतरू अनदेखा कर दिया जाता है कि मुद्दा बलात्कार का है न कि महिला के अतीत का। एक वेश्या को भी यह अधिकार प्राप्त है कि उसके साथ उसकी मर्ज़ी के खिलाफ जबरदस्ती नहीं की जा सकती। फिर अदालत में जिस तरह से पीड़िता से भद्दे, अश्लील व अनावश्यक प्रश्न मालूम किये जाते हैं (हाथ कहां था, टांगें कितनी खुली थीं ...) तो ऐसा प्रतीत होता है कि बलात्कार के बाद वह दोबारा उसी यातना से गुज़र रही है। पीड़िता की अपनी गवाही को प्रचलित धारणाओं से मापा जाता है कि वह अपनी 'शर्म' को कैसे प्रोसेस करेगी। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट को इलाहाबाद हाईकोर्ट को इतनी बुनियादी बात याद दिलानी पड़ी थी कि पीड़िता (या उसके पेरेंट्स/अभिभावक) की बात सुने बिना बलात्कार के आरोपी को ज़मानत नहीं दी जा सकती। दरअसल, जो भी 'लैंगिक भेदभाव' को दूर करने के लिए प्रयास किये गये हैं वह स्पष्टता अपर्याप्त रहे हैं। हाँ, न्यायाधीश भी समाज का ही हिस्सा हैं, लेकिन इस आधार पर उनके खिलाफ अन्याय और वीभत्स टिप्पणीयां तो नहीं की जा सकतीं।

(लेखिका सम-सामयिक विषयों की टिप्पणीकार हैं)

सेहत ही नहीं संपन्नता भी देता है नाशपाती का पेड़

वीना गौतम

स्वास्थ्य के प्रति लोगों में बढ़ी सजगता के कारण,हाल के सालों में फाइबर की प्रचुर मात्रा वाले फल नाशपाती की बाजार में मांग बढ़ गई है, यही कारण है कि हिमाचल प्रदेश,जम्मू-कश्मीर,उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में नाशपाती की अच्छीखासी खेती होने लगी है। सेहत के लिए नाशपाती फल इसलिए शानदार है क्योंकि इसमें यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए भरपूर फाइबर होता है। यह वजन को नियंत्रित करता है, इसमें प्राकृतिक शर्करा और फाइबर की मौजूदगी होने के कारण, इससे रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, जो मधुमेह रोगियों के लिए लाभदायक है। साथ ही यह हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मददगार होने के साथ साथ शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत करता है। स्वास्थ्य संबंधी अपनी इन खूबियों के कारण आजकल नाशपाती की बाजार में काफी मांग है। आमतौर पर यह 60 से 100 रूपये प्रतिकिलो तक आसानी से बिक जाती है। यही वजह है कि हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में किसान हाल के सालों में नाशपाती के पेड़ खूब लगा रहे हैं। नाशपाती का पेड़ एक मध्यम आकार का फलदार वृक्ष है,जो शीतोष्ण जलवायु में अच्छे से फलता-फूलता है। इसकी उंचाई करीब 4 से 12 मीटर तक हो सकती है। इसका तना मजबूत और थोड़ा खुरदरा होता है, जबकि पत्तियां हरी, चमकदार और अंडाकार होती हैं। यह समशीतोष्ण और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में बेहतर ढंग से फलता-फूलता है। इसके अच्छे से विकास के लिए बेहतर जलनिकासी वाली दोमट और गहरी मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। इसके फूल सफेद या हल्के गुलाबी रंग के होते हैं और इनका परागण मधुमक्खियों के द्वारा होता है। नाशपाती का पौधा लगभग 4-6 वर्षों में फल देने लगता है। यदि इसे ग्राफ्टिंग (कलम) तकनीक से उगाया गया हो तो, यह 3-4 वर्षों में ही फल देने लगता है। नाशपाती के पेड़ की

विनय उजाला

ज्यादातर किस्में अक्सर जून से अगस्त के बीच फल देती हैं।

प्रमुख उत्पादक राज्य

भारत में नाशपाती की बागवानी मुख्य रूप से ठंडी और पहाड़ी क्षेत्रों में की जाती है। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य हैं-हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, अरुणाचलप्रदेश, सिक्किम और अब इसकी ज्यादा अनुकूल और कस्टमाइज किस्में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अनेक इलाकों में लगाई गयी हैं ।भारत मं नाशपाती का उत्पादन इसके वैश्विक उत्पादन की तुलना में बहुत कम है। दुनिया भर में प्रति वर्ष लगभग 27.5 मिलियन टन नाशपाती का उत्पादन होता है, जिसमें से अकेले चीन लगभग 19.5 मिलियन टन के साथ विश्व का सबसे बड़ा नाशपाती उत्पादक देश है। भारत का योगदान इस वैश्विक उत्पादन में बहुत कम है लेकिन इस संबंध में को सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। नाशपाती की बागवानी किसानों के लिए आर्थिक दृष्टि से काफी लाभदायक है। दरम्याने किस्म का एक नाशपाती का पेड़ सालभर में 20-50 किलोग्राम तक फल देता है। इसके पेड़ को कम रखरखाव की जरूरत पडती है ।अन्य फलों की तुलना में नाशपाती के फलों में कीटों और बीमारियों का खतरा कम होता है।

किसानों की कमाई

प्रसंस्करण उद्योग में नाशपाती की काफी ज्यादा मांग हो चुकी है,इसका बड़े पैमाने में उपयोग जैम, जूस, ड्राई फ्रूट और कैंडी बनाने में होता है, जिससे किसानों को आकर्षक लाभ मिलता है। चूंकि इसे रफ और तटीय भूमि पर भी उगाया जा सकता है, इसलिए पहाड़ी और बंजर इलाकों के किसान भी इसका फायदा उठा सकते हैं। चूंकि यह जल्दी फल देने वाला, बाजार में अच्छी कीमत पाने वाला और कम मेंटेनेंस की जरूरत वाला फल है। इसलिए यदि आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके इसकी बागवानी की जाय तो किसान इससे अच्छी आय कमा सकते हैं।

कमाई के अतिरिक्त विकल्प

जैविक नाशपाती के फलों की अच्छी मांग है। इसके लिए 100-150 प्रति किलो तक मिल जाते हैं। ऑनलाइन और डायरेक्ट मार्केटिंग करके और किसानों को फूड एग्रीगेटर ऐप्स (जैसे बिगबास्केट, अमेज़न फ्रेश) के साथ जुड़कर अधिक लाभ मिल सकता है। नाशपाती के पौधों की नर्सरी बनाकर अतिरिक्त घ्2-घ्5 लाख सालाना की कमाई संभव है। छोटे किसान (1 एकड़, 0.4 हेक्टेयर), 2-3 लाख प्रति वर्ष, मध्यम किसान (1 हेक्टेयर), 5-14 लाख प्रति वर्ष और बड़े किसान (5 हेक्टेयर या अधिक), 50 लाख से 1 करोड़ तक कमा सकते हैं।

(लेखिका विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में कार्यकारी संपादक हैं)

दिलों की दूरी पाटने वाला सेतु

विनय उजाला

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना यानि स्क्क्रू भारतीय रेल के स्वर्णिम भविष्य का एक चमकता हुआ अध्याय है। जो देश के हर हिस्से को कश्मीर तक की अबाध यात्रा के मार्ग से जोड़ रही है। यह राष्ट्रीय परियोजना न केवल देश की इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रदर्शन है, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक चुनौतियों पर विजय का प्रतीक भी है।

विकास के पुल से जुड़े पहाड़ों के दिल

हिमालय की ऊंचाइयों में चल रहे प्रोजेक्ट का सबसे चमकदार मोती है चिनाब ब्रिज । जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है। यह पुल समुद्र तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और कुतुब मीनार से पांच गुना ऊंचा। 266 किलोमीटर प्रति घंटे चलती हवा की रफ्तार को भी चिनाब ब्रिज आसानी से झेल सकता है।

96 केबल के सहारे निर्मित 725 मीटर लंबा अंजी खड्ड ब्रिज देश का पहला केबल आधारित रेल ब्रिज है। कटरा बनिहाल रेल खंड का हिस्सा ये पुल समुद्र तल से 331 मीटर ऊपर है। यह अद्भुत संरचना न केवल भारतीय रेल की उपलब्धियों की गाथा गाती है, बल्कि कश्मीर घाटी को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का भी वादा करती है।

आर्थिक विकास से राष्ट्र सुरक्षा तक का सेतु

USBRL न केवल भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए भी मील का पत्थर साबित होगी।

आर्थिक विकास : रेल लिंक से कश्मीर घाटी में व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी, जिससे कृषि उत्पादों, शिल्प और स्थानीय उद्योगों को बड़े बाजारों तक पहुंच मिलेगी।

पर्यटन को बढ़ावा : इस रेल लिंक के जरिए कश्मीर में पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी। पर्यटकों के लिए घाटी तक पहुंचना आसान और किफायती होगा।

रोजगार के अवसर : परियोजना के निर्माण के दौरान हजारों लोगों को रोजगार मिला और इसके संचालन के बाद भी कई स्थानीय निवासियों को रोजगार मिलेगा।

पुख्ता राष्ट्र सुरक्षा : रेल लिंक से न केवल सेना की त्वरित आवाजाही संभव होगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में संसाधनों की तेज आपूर्ति भी सुनिश्चित होगी।

न कुछ आज बदला, न नव पदचाप आया, मेरे द्वारे ब्रह्ममुहर्त में शुभ्र प्रातः काल आया

नव संवत्सर पर काव्य गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न

विनय उजाला

अखिल भारतीय साहित्य परिषद इंदौर इकाई द्वारा नव संवत्सर-चैत्र प्रतिपदा-गुड़ी पड़वा की पूर्व संध्या पर विश्व संवाद केंद्र में नगर के साहित्यकारों की काव्य गोष्ठी संपन्न हुई।गोष्ठी की अध्यक्षता श्री त्रिपुरारी लाल शर्मा ने की, विशिष्ट अतिथि श्री श्रीमती स्मृति आचार्य एवं डॉक्टर अखिलेश शर्मा थे।

काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रांत अध्यक्ष श्री त्रिपुरारी लाल शर्मा ने नव संवत्सर- गुड़ी पडवा का महत्व बतलाते हुए नव वर्ष का स्वागत अपनी कविता से इस प्रकार से किया कि न कुछ आज बदला, न नव पदचाप आया,मेरे द्वारे ब्रह्ममुहर्त में शुभ्र प्रात:काल आया पुष्पदल मुस्कुराकर उमंग से अग्रगम्य हुवे,भ्रमरों ने प्रफुल्लित हो नृत्य संग गीत गाया पवन के होले होले मदभरे शीतल स्पर्श से,हृदय में विराजित रागिनी ने नवराग गाया।

हिम कण भी प्रेयसी के प्यार में झरने लगे, अवनी पर हिमपात ने हिमाद्रि शैल बनाया.

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती स्मृति आचार्य के द्वारा अपनी रचना पिता पर पढ़ने के बाद

उन्होंने अपने मधुर कंठ से तरन्नुम में अपनी रचना उम्र भर मैं तेरे गीत गाती रहूं साथ तेरा मिले मुस्कुराती रहूं पढ़ी तो पूरा वातावरण संगीत मय हो गया. विशिष्ट अतिथि श्री अखिलेश शर्मा ने भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डाला तत्पश्चात इंदौर के वीर रस के विख्यात कवि श्री गिरेंद्रसिंह भदोरिया ने अपनी प्रसिद्ध रचना जिनकी सोच समझ पर कुण्ठा के जाले पड़ जाते हों।

राष्ट्र गीत गाते ही अधरों पर ताले पड़ जाते हों।।

जिनकी शक्ल देखते रोटी के लाले पड़ जाते हों ।

कौओं की क्या कहूँ कबूतर तक काले पड़ जाते हों।। पढ़कर सभी साहित्यकारों से भरपूर दाद पाई. आर.डी. माहौर राही ने लोगों को नये नये रूप में ढलते देखा है।

अपनों को भी अंदाज़ बदलते देखा है। पढ़कर मानव जीवन की त्रासदी को अभिव्यक्त किया.प्रेम रस की कवियत्री सपना सोनी ने प्रेम से सराबोर कविता करीने से बैठ, हाँ तु इतना करीने से बैठ कि, मैं बात करूं तो, जवाब में तू, हुंकारें छूकर मुझे दे !,हो सके तो इतना करीब बैठ पढ़कर साहित्यकारों के मन में प्रेम का अंकुरण किया. हास्य रस के युगल दंपति कमलेश दवे और श्रीमती महिमा दवे ने 'मेरा पति जलेबी जैसा सीधा और मेरी पत्नी नमक की खारी डली' पढ़कर ठहाके लगवाएं.

नगर की सायरा श्रीमती राखी जैन द्वारा वक्त पर केंद्रित गजल

न चाहे वक़्त तो अवसर सुअवसर हो नहीं सकता

नसीबों की रज़ा बिन कुछ मयस्सर हो नहीं सकता

जब पढ़ा तो सभी साहित्यकार वाह वाह कर बैठे. श्री दिनेश दवे ने

प्यार सच्चा करता चल,वादा पक्का करता चल,जिंदगानी चार दिन की,

मन को बच्चा करता चल, बड़ी मस्ती से पढ़ी.

श्री सुभाष गौरव ने उन की कविता,बोल की परिभाषा कुछ और है।

मौन की परिभाषा कुछ और है।। पढ़कर लोगो से तालियां बजवा दी.

श्री प्रेमानंद सरस्वती ने 'प्रेमानंद प्रेम का विस्तृत सिला दिया तुमने ।

प्रेमानंद यहाँ था मृत जिला दिया तुमने' पढ़कर सभी को प्रेम का आनंद दिया. श्री पंकज जैन द्वारा सरस्वती वंदना की गई. डॉ.अजय ढींगरा ने 'उलझन को सुलझाना अच्छा लगता है काम सभी के आना अच्छा लगता है' पढ़कर सभी को सकारात्मक संदेश दिया.

काव्य गोष्ठी में सुरेश रायकवारने मर्यादा पुरुषोत्तम राम पर कविता पढ़ी. श्री ओमप्रकाश जोशी बाबूजी ने एक मालवी गीत गाया.श्री हरिश साथी,श्री दिनेश दवे,श्रीमती पलक जैन,श्री बालकराम साद आदि ने भी कविता,ग़ज़ल पढ़ी.अतिथियों का स्वागत श्री गिरेंद्रसिंह जी भदोरिया एवं श्रीमती सपना साहू के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए श्री दिनेश दानिश द्वारा शोहरत को इंगित करते हुए गजल पड़ी गई

तुम न किसी की ज़द में थे।
जब तक अपनी हद में थे ।
शौहरत को वो पचा न पाये
जो- जो इसके मद में थे ।

आभार प्रदर्शन श्री रामचंद्र अवस्थी ने करते हुए नव वर्ष की सभी को शुभकामना इस गीत के साथ दी,

'सबके हृदय में हो सदा सबके लिए सद्भावना।
शुभकामना शुभकामना, नववर्ष की शुभकामना' ।।

संक्षिप्त समाचार

चैत्र प्रतिपदा गुड़ी घरों घर बांधी गुडी पड़वा हिंदू नववर्ष मनाया

कसरावद, निप्र। नगर सहित क्षेत्र में रविवार को गुड़ी पड़वा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने घरों में गुड़ी बांधी पूजन कर सुख समृद्धि की कामना मांगी। श्रद्धालुओं ने अगामी वर्ष बेहतर हो सुख समृद्धि की कामना मांगी। गुड़ी पड़वा के साथ ही चैत्र नवरात्रि की शुरुआत आरंभ हुई है। प्राचीन देवी मंदिरो मे पूजन,दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे। प्राचीन भवानी माता मंदिर व बड़ी माता मंदिर सहित पानवा सात माता मंदिरो के अतिरिक्त प्राचीन मंदिरों में विशेष श्रृंगार कर देवी आराधना कर पूजन किया। यह कर्म नौ दिनों तक जारी रहेगा।

राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के द्वारा हिंदू नववर्ष मनाया

महेश्वर, निप्र। राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के द्वारा गणेश मंदिर टैक्सी स्टैंड पर हिदू नववर्ष गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं तिलक लगाकर माता बहन के चरण छूकर शुभकामनाएं दी। आयोजन में जिला मंत्री सुभाष नायक, समाजसेवी कमल कबूलकर, समाजसेवी संजू वर्मा, प्रमोद शर्मा, संतोष वर्मा, संजू नयता, मोहन कदम, अमित नायक, राहुल वर्मा, रामेश्वर कनाडे, महेश वर्मा, सतीश पाटीदार सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बीमार गाय की मौत, गौ सेवकों ने अंतिम संस्कार कराया

कसरावद, निप्र। नगर के नया बस स्टैंड परिसर में पिछले लंबे समय से रमेश सोलंकी की गाय बीमार थी। रविवार को गाय की मौत हो गई। इसके बाद गौ सेवकों ने नगर परिषद को सूचना दी। जेसीबी की मदद से गाय को उठाया फिर गाय पालक ने पूजन किया। इसके पश्चात गौ सेवकों ने गांव बाहर विधि विधान पूर्वक अंतिम संस्कार किया। नगर मे पिछले लबे समय गौ सेवा को लेकर युवा आगे आ रहे हैं। लोगों ने कहा युवाओ का सराहनीय कार्य है। नगर में गायों की सुरक्षा को लेकर पूर्व मे रात्रि के समय रेडियम स्टीकर व बेल्ट भी गौ सेवकों ने सड़क व गांव में घूमने वाले पशुओं मे गाय तथा बछड़ों को सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए रेडियम स्टीकर बांधकर सुरक्षा कर रहे हैं। ताकि सड़क दुर्घटना से पशुओं की जान बचाई जा सके।

एक करोड़ इक्कीस लाख से ज्यादा गायत्री मंत्रों का सामूहिक जप हुआ

गायत्री महाअनुष्ठान में आदिवासी अंचल से पुण्य परमार्थ

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। सेंधवा तहसील के आदिवासी ग्राम झिरीजामली में गायत्री मंत्र अनुष्ठान का आयोजन हुआ। साली टांडा के संत डेमनिया बाबा के बताए मार्ग पर आदिवासी समाज के हजारों व्यक्तियों द्वारा ईश्वर भक्ति और आध्यात्मिकता से जुड़कर आत्म बोध और आत्म विस्तार की ओर बढ़ रहे हैं। गायत्री यज्ञ से अपने आप को जोड़कर सामाजिक क्रांति का नया अध्याय भी लिख रहे हैं। जनवरी माह से सामूहिक गायत्री मंत्र अनुष्ठान का प्रारंभ किया गया था,12 घंटे का सामूहिक जप किया गया। एक घंटे की पाली में 260 से भी ज्यादा व्यक्ति ध्यान मुद्रा में बैठकर गायत्री मंत्र, शांत चित्त होकर जप क्रम करते हैं।

महिलाओं की पारी अलग रही 108 मनकों की माला एक घंटे में 12 माला प्रति व्यक्ति द्वारा 12 पाली में 260 भाई बहनों द्वारा कुल 40,43520 गायत्री मंत्रों का जप आत्मकल्याण और विश्व कल्याण की भावनाओं के लेकर किया गया। फरवरी माह के पश्चात तृतीय सामूहिक साधना का अनुष्ठान ग्राम झिरीजामली के गायत्री प्रज्ञा पीठ द्वारा पूर्ण हुआ। तीन अनुष्ठान में एक करोड़ इक्कीस लाख गायत्री मंत्र का जप ग्रामीण अंचल के आदिवासी भाई बहनों द्वारा श्रृद्धा समर्पण उपहास रख कर पूर्ण किया। साली टांडा शक्ति पीठ के व्यवस्थापक नरेंद्र डावर ने बताया कि हमारा संकल्प जन्म शताब्दी वर्ष में सबके कल्याण के लिए साधना अभियान आगामी 9 माह तक सतत ग्रामों में चलेगा।

जिला समन्वयक महेंद्र भावसार ने महाअनुष्ठान को प्रदेश स्तर का श्रेष्ठ अभियान बताया इतनी बड़ी संख्या में एक साथ गायत्री जप 12 घंटे केवल बड़वानी जिले में ही हो रहा है। श्रृद्धा का यह अनुष्ठान मातृ कोई कार्यक्रम नहीं है बल्कि समाज की कुरूतियों और व्यसन में लिप्त व्यक्तियों को सही दिशा धारा देकर अच्छे भविष्य की नींव रखने का अवसर है, जिसमें सैकड़ों भाई-बहन गायत्री साधना कर अपने आप को धन्य बना रहे हैं। आदिवासी समाज की युवा पीढ़ी व्यसन को त्याग कर आध्यात्मिक कायाकल्प के सूत्रों और सिद्धांतों पर चलने के लिए संकल्पित हो रही है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की समाज अभिनव रचना सद विचारो की गंगा से ग्राम ग्राम में जन जागृति आ रही है।

मतांतरण उन्मलन में गायत्री मंत्र साधना से संबल मिलना तय है। आयोजन पूर्व संध्या कालीन विराट मंगल कलश यात्रा ग्राम झिरीजामली में जय घोष करते निकाली गई। अनुष्ठान का संकल्प ऋषि संदेश के साथ प्रकाश नरगावे ने संपन्न कराया।गायत्री शक्ति पीठ साली टांडा के नरेंद्र डावर के साथ कुचीया आलावे, विक्रम जमरे,तुलसीराम नरगावे,रूपसिंह दादा, कविता डावर, सुनीता जी, भानू जमरे और गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

सिंघाना में 'प्रकाश' अवैध धंधों पर छाया 'अंधेरा'

जांबाज ऑफिसर, सिंघाना चौकी प्रभारी प्रकाश सरोदे की दबंग कार्य शैली से सट्टा माफियाओं में दहशत

विनय उजाला

सिंघाना, निप्र। धार जिले के सभी जांबाज पुलिस ऑफिसर व सैनिक अपनी जान जोखिम में डालकर जनता को खतरे से आगाज कराके सुरक्षा में तत्पर होकर कार्य कर रहे है। वहीं धार जिले के थाना मनावर की सिंघाना चौकी प्रभारी प्रकाश सरोदे के द्वारा अपराधियों पर अंकुश लगता जा रहा है, क्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर है, इतना ही नहीं सिंघाना अंतर्गत क्षेत्र में पुलिस ने जुआ सट्टा पर्ची व अपराधों पर लगाम लगाने में कामयाबी हासिल की है द्य पुलिस अधीक्षक व वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन किया जा रहा है। अपनी दबंग और निष्पक्ष छवि के लिए प्रकाश सरोदे ने जब से सिंघाना चौकी की कमान संभाली है, तब से क्षेत्र में अपराधियों में पुलिस का एक अलग ही डर व्याप्त है, अब अपराधियों एवं रेत माफियाओं, सट्टा माफिया में हड़कंप मचा है। चौकी प्रभारी प्रकाश सरोदे दिन रात क्षेत्र में पहुंचने से जनता में सुख शांति का माहौल बन गया है। सिंघाना चौकी क्षेत्र की जनता को चौकी प्रभारी और यहां अधीनस्थ स्टाफ से तालमेल बनाकर जनता की सुरक्षा कर रही हैं। अपराधी व सट्टा माफिया भी चिंतित और सदमे में है, क्षेत्र में सुरक्षा व शांति का माहौल है। जिससे पुलिस पर जनता का भरोसा और बढ़ता हुआ देखने को भी मिल रहा है। जांबाज ऑफिसर चौकी प्रभारी प्रकाश सरोदे की कार्यशैली से क्षेत्र में सुख और शांति है। सिंघाना चौकी को आदर्श थाना बनाने के प्रयास बड़ी तेजी से किए जा रहे हैं, क्षेत्र में पूरी तरह से अपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाई जा रही है तो वहीं चिन्हित अपराधों का शिकंजा कसा जा रहा है। हाल ही कुछ दिनों पहले सिंघाना और मनावर जैन मंदिर के चौरो व चोरी का सामान जब्त करना एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई थी जिसमें दो आरोपियों को पकड़ लिया गया है एवं अन्य आरोपियों को पकड़ने का प्रयास भी तेजी से किया जा रहे है। जल्द ही मुख्य चोर को पकड़कर सलाखों के बीच डाल दिया जाएगा तो वहीं आगे कोई भी इस तरह की घटना ना घटे उसके लिए बंदोबस्त किया जा चुका है। वह अपराधों पर लगाम कसे हुए है, हालही में सिंघाना पुलिस को अवैध शराब वाहन पकड़ने में एक और सफलता मिली है जानकारी के अनुसार अर्टिका कार से बोल्ट बियर की 8 पेटियां के साथ दो आरोपी को अवैध शराब के साथ पकड़ा और कार्यवाही की। आगे भी उनके द्वारा ऐसे ही प्रयास किए जा रहे हैं ताकि क्षेत्र में अपराधों पर पूरी तरह लगाम लगाई जा।

सके उनका संकल्प है कि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन से चौकी को आदर्श चौकी के रूप में परिवर्तित करने के भरपूर सार्थक प्रयास किए जाएंगे। क्षेत्र में कानून व्यवस्था में मुस्तैदी से पुलिस द्वारा अपराधिक गतिविधियों पर पूरी तरह से लगाम लगाई गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने शिवकुंज योगा ग्रुप ने ली शपथ

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। डग-डग पानी पग-पग निर नीर कह रहा है भारत का सुंदर अतीत। किसी जमाने में पग- पग पर हमें पानी के पोखर बहते हुए नजर आते थे। जहां खोदो वहां पानी हर पानी के परंपरागत स्रोत जल से लबालब होते थे। हमारी संस्कृति में भी नदी पूजन, कुआं पूजन इत्यादि जल स्रोतों की मुख्य कार्यक्रमों के साथ-साथ विशेष अवसरों पर पूजन अर्चन का विधान है। किंतु बढ़ती जनसंख्या एवं आधुनिक जीवन शैली में कहीं ना कहीं हम अपने पुराने जल स्रोतों की सही देखभाल करने में चूक रहे हैं। जिसे ध्यान आकर्षण करने के लिए मध्य प्रदेश शासन जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 जैसे सामुदायिक जागरूकता अभियान चला रहा है। इस अभियान से जहां लोगों में जल का दुरुपयोग रोकने की भावना जागृत हो रही है, वहीं वर्षाकाल के जल को सहेजने के लिए भी लोग आगे आने लगे हैं।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रतिवर्ष अनुसार शिवकुंज योगा ग्रुप के द्वारा इस वर्ष भी सामूहिक शपथ लेकर जल गंगा संवर्धन अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रण किया। इस अवसर पर सदस्यों ने शिव कुंज की तलहटी के आगजनी से क्षतिग्रस्त क्षेत्र को भी फिर से जल की हर एक बूंद का सदुपयोग कर उसे पुनः हरा भरा बनाने के लिए भी अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शिवधाम धर्मशाला में गूंजे रनुबाई के पारंपरिक गीत

गणगौर महोत्सव में निमाड़ी लोकगीतों पर महिलाओं ने किए झालरिया नृत्य

विनय उजाला

मंडलेश्वर, निप्र। नगर की महिलाओं द्वारा निमाड़ की लोक संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बनाए गए मंच शिवांगिनी द्वारा शनिवार देर शाम माता की बाड़ी में गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसने महेश्वर की प्रसिद्ध लोक गायिका मनीषा शास्त्री ने निमाड़ी गणगौर गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी। आयोजन के शुरुवात में संस्था की महिला सदस्यों ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। गणपति वंदना और मां नर्मदा की आराधना से शुरू हुआ गणगौर महोत्सव देर रात्रि तक माता के लोकगीतों से सजा रहा। मां नर्मदा की आराधना पर आधारित निमाड़ी लोक गीत पर संस्था की सदस्या दिव्या मोयदे, प्रज्ञा मोयदे, अर्चना उपाध्याय एवं निधि डोंगरे सहित अन्य ने सामूहिक नृत्य पेश किया। कार्यक्रम का संचालन प्राची पटवारी एवं डॉ. नीलम तवर ने किया।

सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण बना महोत्सव : संस्था की सदस्या हर्षा शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि गणगौर महोत्सव में नगर की सर्व समाज की महिलाओं के विभिन्न दलों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां भी दी। उक्त सभी नृत्य प्रस्तुतियां अतिथि गायक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए लोकगीतों पर दी गई। शिवधाम धर्मशाला में उपस्थित सभी महिलाओं ने आनंद के साथ महोत्सव का आनंद लिया। गणगौर नृत्य प्रस्तुत करने वाले दलों को संस्था द्वारा आयोजन के समापन पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था की सदस्या जूही तवर एवं ऋतु तवर ने गणगौर संबंधित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया। जिसने महिलाओं ने एक पात्र में रखी पर्चियों में से एक पर्ची निकाली उस पर्ची के आधार पर महिलाओं से प्रश्नोत्तरी की गई। जिसके सही जवाब देने वाली महिलाओं को उपहार दिए गए।

शिवांगिनी बनेगा लोक संस्कृति एवं पर्यावरण हितैषी : संस्था के सूत्रधार एवं प्रसिद्ध अभिभाषक संजीव मोयदे ने संस्था से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि संस्था शिवांगिनी को बनाने का उद्देश्य निमाड़ की लोक संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण है। इस संस्था में नगर की सर्वसमाज की युवा महिलाओं को जोड़ा जाएगा ताकि भावी पीढ़ी हमारी लोक संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक हो। मोयदे ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि निमाड़ी लोक संस्कृति के बारे में हमारी वरिष्ठ पीढ़ी तो अच्छे से वाकिफ है पर कही न कही आने वाली पीढ़ी हमारी लोक संस्कृति से दूर होती जा रही है। भावी पीढ़ी लोक संस्कृति के प्रति जागरूक हो यही संस्था के निर्माण के पीछे यही उद्देश्य निहित है। साथ ही संस्था पर्यावरण संरक्षण के लिए भी समय समय पर कार्य करेगी। इस दौरान उपस्थित नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने संस्था कि प्रत्येक पहल के यथासंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छ बनाए रखने में जनता का सहयोग जरूरी : विधायक बालकृष्ण पाटीदार

जल गंगा संवर्धन अभियान का विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने किया शुभारंभ

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। कुंदा नदी के तट पर जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ पर विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि जीवन ही है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है। जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छ बनाए रखने में सरकार के साथ ही आम जन का सहयोग भी बहुत जरूरी है। जल संरक्षण के लिए केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार मिलकर अभियान चला रही है । कोई भी अभियान जनता एवं समाज के सहभागी बनने से ही शत प्रतिशत सफल होता है। जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया तो देश की जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आ गई है। इसी तरह की जागरूकता जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए भी आमजन के मन में होना चाहिए। जल संरक्षण का यह अभियान केवल एक दिन चलने वाला अभियान नहीं है बल्कि यह अभियान हर दिन और निरंतर चलते रहना चाहिए। कलेक्टर भव्या मित्तल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान तीन माह तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत बावड़ियों, नदियों व नालों की सफाई एवं संरक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत तालाब का गहरीकरण, स्टापडेम, नवीन तालाब निर्माण आदि जल संरक्षण के कार्य किए जाएंगे। उल्लेनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खरगोन जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं पुनर्जीवन नये जल संशाधनों, तालाबा, बावड़ी, सरोवर का निर्माण कर पुरानी जल संरचनाओं की सफाई नर्मदा नदी के किनारे, धार्मिक स्थलों के पास जल संरचनाओं की साफ-सफाई, मरम्मत और जीर्णोद्धार का कार्य किया जाएगा। जिले में 27 अमृत सरोवर, 1254 तालाब निर्माण तथा 2166 पूर्ववर्ती जल संरचनाओं की परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा। आगामी वर्षा ऋतु के दौरान किसानों के खेत में फलोद्यान एवं सामूदायिक भूमि पर वृक्षारोपण के कार्य किये जाएंगे। खरगोन में कुंदा नदी के किनारे गणेश मंदिर के पास जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, एसडीएम बी एस कलेश, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एम आर निगवाल, नगर पालिका के पार्षद, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक भी उपस्थित थे।

15 अप्रैल तक शत-प्रतिशत स्थाई जाति प्रमाण पत्र के आवेदन लोक सेवा केंद्र में जमा करे ईकेवाईसी, आधार कार्ड बनाने, अपडेशन का कार्य सतत् जारी रखे

विनय उजाला

पलसूद, निप्र। कक्षा 1 से 12 तक सभी विद्यार्थियों के स्थाई जाति प्रमाण पत्र बनाने का कार्य 15 अप्रैल तक शतप्रतिशत आवेदन पत्र फिलअप कर स्कूल प्रबंधन क्लस्टर के माध्यम से लोकसेवा केंद्र भेजना सुनिश्चित करेंगे, जिला कलेक्टर द्वारा टीएल मीटिंग में योजना को लेकर जिला स्तर की डीपीएमयू बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री काजल जावला द्वारा सभी मॉनेटरिंग ऑथोरिटी को निर्देशित किया गया है। जनशिक्षक सुरेशचंद्र राठौड़ द्वारा सभी स्कूल प्रबंधन को शिक्षकों पालकों के समन्वय से शतप्रतिशत स्थाई जाति प्रमाण पत्र के आवेदन पत्र भरकर क्लस्टर कार्यालय के माध्यम से प्रतिदिन लोकसेवा केंद्र भेजें जा रहे है इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएं पंचायत सचिव, जीआरएस ईकेवाईसी द्वारा सतत् कार्य किए जा रहे है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में आधार केंद्र पर आधार बनाने अपडेशन का कार्य सतत् किया जा रहा है अपार आईडी जाति प्रमाण पत्र दोनों का कार्य सभी के द्वारा सतत् कार्य किए जाने से संभव होगा सभी मॉनेटरिंग ऑथोरिटी नियमित फॉलो अप लिया जायेगा ब्लॉक स्तर पर बीपीएमयू बैठक में बीएसी संतोष बघेल द्वारा विस्तृत जानकारी देकर जनशिक्षकों को जानकारी दी है।

विक्रमोत्सव 2025 के तहत सूर्यकोटि उपासना कार्यक्रम का जिला मुख्यालय पर हुआ आयोजन

कलाकारों ने सम्राट विक्रमादित्य संजीव नाट्य का किया प्रस्तुतिकरण

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2025 का शुभारंभ 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर्व से चैत्र प्रतिपदा 30 मार्च तक संपूर्ण राज्य में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जो सम्राट विक्रमादित्य के युग,भारत उत्कर्ष, नवजागरण एवं भारत विद्या पर केंद्रित रहा। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय पर विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत सूर्य कोटि उपासना कार्यक्रम संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन बड़वानी द्वारा पर पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में आयोजित किया।

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर केंद्रित नाट्य का किया प्रस्तुतीकरण : संस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य आपके जीवन पर केंद्रित नाट्य मंचन की शुरुआत में वर्तमान समय के युवाओं के नववर्ष मनाने के तरीके और हमारी प्राचीन संस्कृति के बीच का अंतर दिखाया गया। दादा एवं पोते बालक विक्रम के बीच हुए संवाद को मंच पर संजीव प्रस्तुत करते ही चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य से संबंधित इतिहास एवं उनके द्वारा स्थापित ऊंचे आयामों एवं मापदंडो को दर्शकों ने जाना।

मुख्य अतिथि द्वारा उद्बोधन : राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, कलेक्टर गुंचा सनोबर, जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी गण उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद ने कहा कि हमारी परंपरा और संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। सम्राट विक्रमादित्य पराक्रम साहस और ज्ञान के पर्याय हैं हम सभी सम्राट विक्रमादित्य के गुणों को अपने जीवन में धारण करें एंव सत्यनिष्ठा एवं जल संग्रहण का भी संकल्प लें।

कलेक्टर ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने शासन, प्रशासन ,न्याय, अध्यात्म, कर्म प्रधानता के ऊंचे आयाम एवं मापदंड स्थापित किये। शत्रुओं पर विजय के प्रतीक के रूप में 57 ईसा पूर्व विक्रम संवत का प्रारंभ हुआ जो राष्ट्रीय संवत कहलाता है । यह शुद्ध प्राचीन एवं वैज्ञानिक है जो सबसे प्राचीन काल गणना का आधार है 12 महीने का 1 वर्ष और 7 दिन का एक सप्ताह रखने का प्रचलन विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ। सवंत अनुसार महीने का हिसाब सूर्य एवं चंद्रमा की गति पर रखा जाता है।

संस्कृति और इतिहास का भव्य संगम : नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति ने यह सिद्ध कर दिया कि हमारी संस्कृति सिर्फ अतीत का गौरव नहीं, बल्कि भविष्य की प्रेरणा भी है। सम्राट विक्रमादित्य की गाथा ने हर दर्शक के हृदय में देश और संस्कृति के प्रति नई चेतना और उत्साह का संचार किया।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान माँ ताप्ती का पूजन-अर्चन कर अभियान का हुआ शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर, अधिकारीगण-कर्मचारीगण, गणमान्य नागरिकगण व स्कूली छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर किया श्रमदान

बुरहानपुर, निप्र। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' संचालित है। इसी श्रृंखला में आज ताप्ती नदी स्थित राजघाट पर माँ ताप्ती का पूजन-अर्चन करते हुए अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती अनिता यादव, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री लता शरणागत, अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप श्रीवास्तव, अधिकारीगणों-कर्मचारीगणों, गणमान्य नागरिकगणों, छात्र-छात्राओं ने आगे आकर श्रमदान किया। अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थितजनों को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज की भागीदारी और विभिन्न विभागों की समेकित पहल से मुख्यत: नवीन जल संग्रहण, संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल वितरण की संरचनाओं की साफ-सफाई तथा मानसून में किये जाने वाले पौधारोपण हेतु आवश्यक तैयारियों के कार्य प्राथमिकता पर करना है। अभियान में समाज की सहभागिता के लिए जन-जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन और कार्य किये जायेंगे। संपूर्ण अभियान इस तरह से नियोजित किया जाना है कि, यह अभियान समाज और सरकार की साझेदारी से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बन सकें।

रक्तदान शिविर में 72 यूनिट रक्त संग्रह किया

खण्डवा, निप्र। हिंदु नववर्ष व अनंत इरिगेशन ब्रांड धानुका के नौवें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को रुधी भावसिंगपुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फार्म के परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय खंडवा की टीम द्वारा 72 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनके सेठिया ने बताया कि लगातार 5 वर्ष से यह रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। रक्तदान से सेहत में सुधार होता है, वजन कंट्रोल में रहता है। इसमें सभी युवाओं को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर धानुका कंपनी के चेयरमैन श्री जितेंद्र जैन, डायरेक्टर श्री सी.एस. पाटिल, श्री शेषमल जैन, श्री जैकी पालीवाल व श्री दीपक जैन द्वारा सभी रक्तदाताओं व स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

सरकार ने समाज के तीज त्यौहारों को आदर्शपूर्ण व समारोह पूर्वक मनाने की परम्परा प्रारंभ की : जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. शाह

गुड़ी पड़वा पर विक्रमोत्सव 2025 के तहत सूर्य उपासना कार्यक्रम सम्पन्न

विनय उजाला

खण्डवा, निप्र। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के तत्वावधान में खंडवा जिले में विक्रमोत्सव 2025 के तहत सूर्य उपासना कार्यक्रम गुड़ी पड़वा पर रविवार को स्थानीय किशोर कुमार सभागृह खण्डवा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जनजातीय कार्य, लोक परिसमत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह एवं अन्य अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।कार्यक्रम में नाट्य के माध्यम से विक्रमोत्सव में ब्रह्म ध्वज का वंदन किया गया।

कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. शाह ने संबोधित करते हुए कहा कि मार्च व अप्रैल माह का समय समाज के लिए खुशियों वाला समय है। इसमें होली और ईद जैसे त्यौहार आते है। इसके अलावा किसानों के खेत से फसल आती है, जिससे किसानों के जीवन में खुशियाँ आती है। साथ ही पलाश के फूल भी खिलते हैं।जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. शाह ने सभी को नववर्ष व गुड़ी पड़वा पर्व की शुभकामनाएँ दी।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार ने समाज के त्यौहारों को सरकार के साथ मिलकर मनाने की एक अनोखी परम्परा की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हमारी संस्कृति और सभ्यता, हमारे तीज त्यौहारों को आदर्शपूर्ण व समारोह पूर्वक मनाने की परम्परा प्रारंभ की है।

उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर लोक के विकास के लिए भी सरकार निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने बताया कि इंदौर से ओंकारेश्वर तक फोरलेन रोड का कार्य संचालित है। बहुत जल्द ही खण्डवा से मोरटक्का तक रेल्वे लाइन भी प्रारंभ हो जायेगी, जिससे श्रद्धालुओं को ओंकारेश्वर जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की और छुआछूत के विरुद्ध कार्य किया।वे उस समय में सबका साथ सबका विकास जैसी विचारधारा के प्रेरणास्रोत थे।उन्होंने कहा कि खण्डवा की धरती ने भी दादा माखनलाल चतुर्वेदी, किशोर कुमार, दादा जी धुनिवाले, संत सिंगाजी महाराज, रामनारायण उपाध्याय जैसी हस्तियाँ धर्म, समाज, विद्या, गायन आदि के क्षेत्र में दी हैं।

कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. शाह ने नट निर्माण कला समूह के विजय सोनी का स्वागत तुलसी का पौधा भेंट कर किया और कहा कि तुलसी का पौधा साधारण पौधा नहीं है। जिस घर में तुलसी का पौधा हो वहां नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती है। तुलसी की पत्तियों का घोल बनाकर बच्चों को पिलाने से कोई व्याधि एवं बीमारी नहीं होती है।

कार्यक्रम में खण्डवा विधायक श्रीमती कंचन तनवे ने सभी को नववर्ष व गुड़ी पड़वा पर्व की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में हम सभी त्यौहारों को उत्साह व उमंग के साथ मनाते है।

कार्यक्रम में ''सम्राट विक्रमादित्य नाट्य'' का मंचन विजय सोनी नट निर्माण कला समूह द्वारा किया गया। इस दौरान भारत का ''नववर्ष विक्रम संवत पुस्तिका'' का भी वितरण किया गया। इस दौरान बताया गया कि खण्डवा शहर में प्रमुख मंदिर दादाजी मंदिर, भवानी माता मंदिर, हाटकेश्वर मंदिर, जूना राम मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, नवचंडी मंदिर जैसे लगभग 12 स्थानों पर ब्रह्म ध्वज स्थापित किये गए हैं।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती अमृत यादव, ज़िला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेड़े,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के.आर. बड़ोले, जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी.एस. सोलंकी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी व बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री संदीप जोशी ने किया।

सूर्य उपासना कार्यक्रम-सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन कलाकारों ने शानदार नाट्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों को किया आकर्षित

बुरहानपुर, निप्र। नाट्य मंचन के माध्यम से कलाकारों ने सम्राट विक्रमादित्य जी के जीवन चित्रण की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। यह कार्यक्रम हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर रविवार को इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में आयोजित रहा। कार्यक्रम का अतिथियों द्वारा शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, महापौर श्रीमती माधुरी पटेल, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री हर्ष सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार, सीईओ जिला पंचायत सुश्री लता शरणागत, अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान सहित अन्य अधिकारीगण व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि, सम्राट विक्रमादित्य एक पराक्रमी, न्यायप्रिय और विद्यवान शासक थे, जिन्होंने अपने शासन काल में ना केवल भारत बल्कि पड़ोसी

देशों तक अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की। विक्रमादित्यजी की छवि एक सार्वभौमिक सम्राट की थी, जो केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, साहित्यिक और न्यायिक रूप से भी अद्वितीय थे। विक्रमादित्य के संबंध में कई कथाएँ और लोकगाथाएँ प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक रूप से सम्राट विक्रमादित्य को 57 ईसा पूर्व में शासन करने वाला माना जाता है। उनके नाम पर ही विक्रम सम्वत् का प्रचलन हुआ, जो आज भी भारतीय पंचाग का एक प्रमुख सम्वत् है। विक्रमादित्य की सार्वभौम छवि और उनकी व्यापक सत्ता के प्रमाण विभिन्न ऐतिहासिक ग्रंथों, लोककथाओं और पुरातात्विक अवशेषों में मिलते है। विक्रमादित्य ने शक आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रारंभ किया। विक्रमादित्य युग (कैलेण्डर) फारसी विद्यवान अलबरूनी (973-1048 ईस्वीं) ने भारत का भारतीय के पांच युगों का उल्लेख किया है। विक्रमादित्य (57 ईसा पूर्व), शक (78 ईस्वीं), वल्लभ और गुप्त (319 ईस्वीं) श्री हर्ष (606 ईस्वीं)। हिन्दूओं के धार्मिक अनुष्ठानों में मुख्य स्थान पाने वाला संवत विक्रम संवत है। विक्रमादित्य युग का उपयोग दक्षिणी व पश्चिमी भारत में हिन्दूओं द्वारा प्रमुखता से किया जाता था। हिन्दू नववर्ष का सांस्कृतिक महत्व हिन्दू नववर्ष का सांस्कृतिक महत्व अत्यधिक है, क्योंकि यह एक अवसर होता है। जब हम अपने पुराने वर्षो की कठिनाईयों, संघर्षों और समस्याओं को पीछे छोड़कर, एक नई शुरूआत करते है। यह एक पुन: निर्माण का समय है, जब हम अपने जीवन में सुधार और परिवर्तन लाने का संकल्प करते है। विदित है कि मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के आदेशानुसार विक्रम संवत् 2082 के शुभारंभ अवसर पर सूर्य उपासना कार्यक्रम के तहत नाट्य प्रस्तुति ''सम्राट विक्रमादित्य'' का मंचन किया गया। इस अवसर पर नाट्य प्रस्तुति रंगाभरण सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था जबलपुर द्वारा किया गया। नाट्य दल का निर्देशन अक्षय ठाकुर ने किया। कार्यक्रम समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा कलाकारों को एक जिला एक-उत्पाद के तहत केले से बनी वस्तुयें भेंट की गई।

चैत्रीय नवरात्रि गुड़ी पड़वा उपलक्ष्य में क्षत्रिय पदाधिकारी मिलन समारोह का आयोजन एवं नव कन्या का पूजन किया

नागदा में राजपूत धर्मशाला निर्माण के लिए प्रस्ताव पास किया

विनय उजाला

नागदा जं, निप्र। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में आज गांव दीवेल में चैत्रीय नवरात्रि एवं गुड़ी पड़वा के उपलक्ष्य में पदाधिकारी मिलन एवं नव कन्या पूजन का आयोजन किया गया जिसमें नौ कन्याओं के पैर धोकर उनकी विधिवत पूजा की गई और अतिथियों का स्वागत अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष जीवन सिंह तंवर तहसील अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह डोडिया ने किया।

अपने उद्बोधन में पूर्व विधायक लाल सिंह राणावत जी ने सभी को नव वर्ष कि शुभ कामनाएं दी एवं नागदा नगर में समाज कि धर्मशील निर्माण कि बात कही। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमुख ठाकुर भेरूसिंह चौहान ने रामलाल सुमन द्वारा राणा सांगा जी के लिए कहे गए अपमान जनक टिप्पणी पर रोष व्यक्त करते हुए निन्दा प्रस्ताव पास किया गया साथ ही नागदा नगर में राजपुत धर्मशाला को विक्रय कर नवीन धर्मशाला बनाने का प्रस्ताव रखा और अपनी और से एकलाख रुपए देने कि बात कही जिसके उपस्थित सभी राजपुत सरदारों ने स्वागत किया। इसी तरह विधायक तेज बहादुर सिंह चौहान जी ने भी एक लाख रुपए और जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह जी चौहान ने भी एक लाख रुपए देने कि घोषणा कि है ठिकाना अर्जला में रावले राजेंद्र सिंह जी ने धर्मशाला बनाने के लिए अपनी और से पांच लाख रुपए देने कि बात कही वहीं उनके छोटे भ्राता बी . एस सोनगरा कि और से एक बीघा जमीन धर्मशाला निर्माण के लिए देने कि घोषणा कि गई इसके लिए सभी सरदारों ने स्वागत किया साथ में सेवानिवृति के उपलक्ष्य में राजेंद्र सिंह झाला और गजराज सिंह पंवार को स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मान किया गया खाचरोद में जिले प्रदेश तहसील स्तर पर नियुक्तियां की गई है जिसमें नियुक्ति पत्र वितरित किए है। कार्यक्रम में सभी राजपूत समाज के समाजजन उपस्थित हुए जिसमें पूर्व विधायक लाल सिंह जी राणा साहब, पूर्व विधायक दिलीप सिंह जी शेखावत साहब, विधायक साहब तेज़बहादुर सिंह चौहान खाचरोद जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह भुवासा, रावले राजेंद्र सिंह अर्जला साहब आदि उपस्थित रहे।

भगवान झूलेलाल जयंती समाजजनो ने हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

पंजाब से आये स्पेशल ढोल, जादू का खेल व हनुमानजी आकर्षकण का केन्द्र रहे

विनय उजाला

नागदा जं, निप्र। चेटीचंड के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा रविवार 30 मार्च को श्रद्धाभाव के साथ श्री झूलेलाल जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम प्रात: 8.30 बजे मंदिर शिखर पर समाज अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात् 9 बजे भगवान झूलेलाल का अभिषेक, आरती तथा आकर्षक श्रृंगार किया गया। सुबह 11 बजे समाजजनो द्वारा आकर्षक वेशभूषा पहन कर एक वाहन रैली पुरे नगर में निकाली गई। दोपहर में भजन कीर्तन, प्रसाद एवं ठण्डाई का वितरण किया गया।

शाम को 5 बजे से भगवान झूलेलाल की भव्य व आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बेण्डबाजा, डीजे, ढोल, ताशे के साथ कालका माता व राम दरबार का स्वरूप आकर्षण का केन्द्र रही। शोभायात्रा में सिर पर कलश लिये इन्दौर से आये कलाकारो की प्रस्तुति अद्भुत रही। शोभायात्रा में भगवान झूलेलालजी के स्वरूप को आकर्षक बग्घी में निकाला गया। इसके साथ ही भगवान झूलेलाल का आकर्षक झूले ने शोभायात्रा में चार चांद लगा दिये।

शोभयात्रा झूलेलाल मंदिर से निकलकर जवाहर मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग होती हुई चम्बल तट पर पहुंची। शोभा यात्रा में समाजजन आकर्षक वेशभूषा के साथ नृत्य करते हुए शामिल हुए। शोभायात्रा का नगर की सामाजिक संस्थाओं एवं आम जनता ने जगह-जगह पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया तथा कहीं-कहीं पर आईसक्रीम, शरबत के साथ स्वागत हुआ।

इसके पूर्व शनिवार को भजन संध्या का आयोजन झूलेलाल मंदिर में हुआ जिसमें उज्जैन से विशेष रूप से पधारे जय अंबे म्यूजिकल ग्रुप के सिंगर लक्ष्मण दादवानी ने आकर्षक भजनो की प्रस्तुति दी। साथ ही समाज के वरिष्ठो का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर संरक्षक डॉ. एस.आर. चावला, सुरेश पंजाबी, चन्द्रप्रकाश टिलवानी, ठाकुरदास चंदनानी, बंसीलाल चंदनानी, महेश पंजाबी, मुरली खत्री, भगवानदास लीलानी, हेमंत दासवानी, जयंतीलाल कोटवानी, योगेश तोलानी, ईश्वरलाल धनवानी, अतुल धनवानी, नारायणदास खत्री, गौरव तोलानी, पवन कोटवानी, दीपक कोटवानी, सुनील लीलानी, महेश दासवानी, श्यामलाल खत्री, देवेन्द्र चम्पू दासवानी, शंकरदास चंदनानी, भरत धनवानी, मुरली खत्री, तेजूमल पकवानी, करण लीलानी, श्यामसुन्दर टिलवानी, प्रथम टिलवानी, उपस्थित रहे।

सामाजिक नारी संगठन की महिलाओं ने माता रानी के भजनों के साथ नव वर्ष मनाया

नागदा जं, निप्र। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सामाजिक नारी संगठन द्वारा गुडी पडवा के अवसर पर प्रात: 8 बजे शीतला माता मन्दिर पर माता रानी का पूजन किया । इसके पश्चात् राहगीरों को तिलक लगाकर नीम व मिश्री का प्रसाद वितरित किया।

इस अवसर पर संयोजक सीमा सारस्वत ने कहा कि आज संगठन का स्थापना दिवस भी है आज ही के दिन माता रानी के दरबार मे संगठन की शुरुआत हुई थी। तभी से हम हर साल माता रानी के भजनो के साथ नगर मे सुख शान्ति बनी रहे इस कामना को लेकर माता का आशीर्वाद लेते है।

इस अवसर पर रीतू पाण्डेय, नागेश्वरी पाल, जय श्री पाचांल, माया कछावा, अन्नपूर्णा शर्मा, सीमा बिफोर, अनिता चौहान, मन्जू धाकड, लता शर्मा, रेखा राठोर, मधू प्रजापत, राजकुमारी चौरसिया, ममता पाचाल, विद्या अग्रवाल, संगीता खंडेलवाल, कुसुम खण्डेलवाल, सरोज मकवाना, कांता सोलंकी, अर्चना शर्मा, ज्योति बेराग सहित संगठन की सदस्य उपस्थित रहीं।

ईद की नमाज़ अदा कर देश में खुशहाली और तरक्की की दुआएं की, दिन भर रहा मुबारकबाद देने का दौर

इब्राहिम रिज़वी

बड़वानी। बोहरा समाज ने ईद का पर्व उत्साह और हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया। समाजजनो ने सवेरे शहर की नजमी,,सैफी, और इज्जी मस्जिद व सतपुडा स्थित मर्कज मे ईद की नमाज अदा कर देश मे खुशहाली और अमन की दुआएं की।

रविवार सवेरे सवा छ बजे समाजजनो ने ईद की नमाज अदा की ।नमाज के बाद समाजजनो ने अपनी दुआओं मे देश की खुशहाली और अमन की दुआएं कर 53 वे दाई सय्यदना आलीकदर मुफद्दल सेफूद्दीन मौला के दीर्घायु होने की भी कामना की।

एक दुसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी : ईद की नमाज पढकर समाजजनो ने गले मिलकर एक दुसरे को ईद की मुबारकबाद दी । समाज के लोग एक दुसरे के यहाँ परस्पर मिलने पहुंचे । घरो पर सेवईयां और शिरखुरमा बनाया गया । बच्चों को बड़ो से ईदी मिली । रंग बिरंगे

कपड़े पहने बच्चे आकर्षण का केन्द्र बने। सवेरे शहर की नजमी, सैफी, बुरहानी बाग मस्जिदऔर सतपुडा स्थित मर्कज मे ईद की नमाज अदा हुई ।सैफी मस्जिद मे शेख़ मोईज भाई, नजमी मस्जिद मे शेख़ मुकर्रम भाई,इज्जी मस्जिद में शेख़ ताहेर भाई और मुल्ला बुरहानुद्दीन भाई ने सतपुड़ा मर्कज मे ईद की नमाज़ पढ़ाई । नमाज बाद खुशी की मजलिस हुई।

दिन भर चला मिलने और खुशी बाटंने का दौर : महीने भर तक खुदा की बंदगी करने के बाद रोजदार के चेहरे पर ईद की अलग ही खुशी रहती है ईद की नमाज के बाद परिचित,दोस्त व रिश्तेदारों के यहां मुबारकबाद देने और मिलने मिलाने का दौर सवेरे से शाम तक चला।

मोहल्ले मे मैले जैसा माहोल : शहर के बोहरा मोहल्ले मे ईद पर गुब्बारे,खिलोने ,और खाने पीने की दुकाने लगने से मेले जेसा माहोल हो गया। ईद की नमाज बाद बच्चो की दुकानो पर भीड़ लगी रही। खाने पीने की दुकानो पर बच्चो की खासी भीड़ रही।

गमी वाले परिवार मे गये समाजजन : ईद खुशियों का पर्व है लेकिन ईद की नमाज बाद समाजजन पहले गमी वाले परिवार मे गये। जिससे कि खुशी वाले दिन वह अपने को अकेला ना समझे इसलिए समाजजन व रिश्तेदार उनके यहां नमाज बाद उनके घर पहुंचे व ईद की मुबारकबाद दी।

सोशल मीडिया के माध्यम

से भी मुबारकबादी अर्ज की : ईद की नमाज बाद समाजजनों ने एक दुसरे से दुआ मे याद करने की अर्ज के साथ वर्ष भर मे हुई भूल के लिए माफी तलब कर ईद की मुबारकबाद दी।

शहर मे रहने वाले परिजनों और करीबी के यहाँ घर जाकर और बाहर रहने वालो को फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से भी मुबारकबादी अर्ज की।

बुरहानी गार्डस ग्रुप के युवाओं और अन्य संस्थाओं ने आभार माना : शहर की अंजुमन ए नजमी जमात ने रमज़ान माह मे इस वर्ष तीस दिनों तक न्याज की खिदमत करने वाले शहर के युवाओं के बुरहानी गार्डस ग्रुप व सभी समाजजन एंव संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन माताजी की टेकरी पहुंचकर की पूजा-अर्चना

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन माताजी की टेकरी पहुंचकर सपत्नीक पूजा-अर्चना की तथा मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा से जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को माताजी की टेकरी पर व?यवस?था के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान तहसीलदार सपना शर्मा, नायबतहसीलदार निधि राजपूत व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में प्रस्ताव पारित

देवास, निप्र। एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में नगर निगम मेयर इन काउंसिल नगर निगम परिषद के द्वारा सर्वानुमति से पारित किया गया। महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम मेयर इन काउंसिल द्वारा एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के समर्थन में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसे राष्ट्र हित में निगम मेयर इन काउंसिल एवं निगम परिषद के सम्मेलन में सर्वानुमति से पारित किया गया। महापौर ने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा एवं समस्त राज्यों की विधान सभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करना है ताकि समय, संसाधन और प्रशासनिक खर्चो की बचत हो सकेगी। एक राष्ट्र एक चुनाव से प्रशासनिक, आर्थिक क्षमता, विकास कार्यो की निरंतरता, राजनीतिक स्थिरता का लाभ मिल सकेगा। ये एक क्रांतिकारी कदम है जो भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत एवं पारदर्शी बनाएगा, इससे न केवल सरकार के कार्यों में निरंतरता आएगी बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी सुदृढ होगी।

चैत्र नवरात्रि पर्व पर मटन चिकन का विक्रय प्रतिबंधित रहेगा

देवास, निप्र। नगर निगम महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा चैत्र नवरात्री महापर्व पर शहर व बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए 30 मार्च रविवार से 6 अप्रैल रविवार राम नवमी के पर्व तक देवास शहर में मटन चिकन का विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। महापौर ने बताया कि मां तुलजा भवानी एवं मां चामुण्डा टेकरी प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र होकर नवरात्री में शहर व शहर के बाहर से बडी संख्या में श्रद्धालु देवास दर्शनार्थ आते हैं। इनकी भावनाओं के अनुरूप व धार्मिक महत्वों को ध्यान में रखते हुए शहर के सम्पूर्ण मांसाहारी व्यवसायिक प्रतिष्ठान व दुकानें एवं होटलों पर मांस के विक्रय को प्रतिबंधित किया गया है। महापौर द्वारा इस हेतु नगर निगम स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्रसिह ठाकुर को निर्देशित किया गया है कि वे नवरात्री पर्व के दौरान मांस विक्रय की दुकानों बंद करवाने के नोटिस जारी करें तथा आदेश के पालन का उंल्लघन करने पर विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित करें आदेश का सख्ती से पालन करवाए।

गायत्री परिवार द्वारा घट स्थापना के साथ हवन-यज्ञ शुरू

सोनकच्छ, निप्र। गायत्री प्रज्ञा पीठ सोनकच्छ में गायत्री अनुष्ठान का शुभारंभ एवं नववर्ष मनाया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा सोनकच्छ द्वारा 30 मार्च रविवार चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर घट स्थापना मंत्र जाप साधना तत्पश्चात गायत्री हवन संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदू नव वर्ष हर्ष उल्लास से मनाया गया। परम पूज्य सद्गुरुदेव का सत साहित्य का वितरण किया गया गायत्री परिवार ने नगर एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि प्रतिदिन प्रात: प्रात: 8:00 बजे से 10:00 तक होने वाले गायत्री यज्ञ में अनुष्ठान में सम्मिलित होकर धर्म का लाभ लेवे।

वैश्य समाज द्वारा मां लक्ष्मी की शोभायात्रा निकाली यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया

सोनकच्छ, निप्र। गुड़ी पड़वा पर स्थानीय वैश्य समाज द्वारा सुबह मां लक्ष्मी की शोभायात्रा निकाली, जिसमें महेश्वरी समाज, जैन समाज और चित्तोड़ा समाज के महिला, पुरुष, बच्चे शामिल हुए। इस के पहले सभी समाजजन गीता भवन मंदिर पर एकत्रित हुए और वहां से शोभायात्रा शुरू की गई। यात्रा का नगर में जगह जगह स्वागत किया गया वहीं समाजजनों द्वारा मां लक्ष्मी के चित्र की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मोटरसाइकिल पर टंगे झोले से 39 हजार रुपए निकाले आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद, पुलिस जांच में जुटी

सोनकच्छ, निप्र। तेजसिंह पिता शंकरलाल निवासी ग्राम रोशनाबाद सोनकच्छ शनिवार द्वारा बैंक ऑफ इण्डिया से रुपए निकाने

के बाद सोमवारिया माता जी मन्दिर के पास से 39 हजार रुपए चोरी हो जाने का आवेदन पुलिस को दिया। फरियादी तेजसिंह ने बताया कि वह बैंक ऑफ इण्डिया से रुपए निकालने के बाद सोमवारिया में आटा चक्की पर गया था तभी मेरी गाडी पर झोला रखा था, उसी झोले में 39 हजार रुपए रखे थे जेसे में चक्की पर आटा लेने गया तभी मेरी गाड़ी के पास एक मोटर साइकिल से तीन लोग आये ओर मेरी गोटर साईकल पर से झोला लेकर फरार हो गए है। जैसे ही मैंने आटा चक्की पर से आटे की थैली लेकर मेरी मोटरसाइकिल के पास आया तो मेरी मोटर साइकिल पर रखा रुपए का झोला चोरी हो चुका था। तेजसिंह की शिकायत पर पुलिस द्वारा नगर के सीसीटीवी कैमरे चेक किए और उसमें अज्ञात लोग जाते हुए देखा दिए। पुलिस जांच में जुटी है।

देवास जिले में बढ़ाएंगे औषधीय खेती का रकबा

किसान औषधीय उत्पाद में उगाएंगे अश्वगंधा

आयुष विभाग ने जिले के विकासखंडों के लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किए, करेंगे किसानों और एसएचजी को प्रेरित करेंगे

विनय उजाला

देवास, निप्र। एक जिला-एक औषधीय उत्पाद के तहत देवास जिले में अश्वगंधा की खेती के लिए बड़े पैमाने पर किसानों को तैयार किया जा रहा है। आयुष विभाग अब गांव गांव तक इसके फायदे पहुंचाने के लिए मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित कर रहा है ताकि आम किसानों ओर स्व सहायता समूहों तक अश्वगंधा की अघुनातन और अच्छी बचत देने वाली खेती को सही-सही जानकारी पहुंचाई जा सके।

आयुष विभाग ने संस्था सोलिडरी डाड के साथ विभिन्न विकासखंडों से आए मास्टर ट्रेनर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के प्राचार्य डॉ. आर.पी.वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र डॉ. महेन्द्र सिंह, मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण कोषे, कृषि विभाग के लोकेश गंगराड़े, उद्यानिकी के अनुविभागीय अधिकारी पी.एन.सेन, सॉलिडरी डाड की पूर्वा दीक्षित, याशिका रघुवंशी, जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिर्राज बाथम एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. ममता जूनवाल ने तकनीकी प्रशिक्षण देते हुए मास्टर ट्रेनर्स से आग्रह किया है कि वे अपने विकासखंडों में अधिक से अधिक किसानों, वन समितियों तथा स्व सहायता समूहों को औषधीय खेती के लिए तैयार करें। आयुष विभाग की महत्वाकांक्षी देवारण्य योजना में औषधीय पादप बोर्ड मंत्रालय भोपाल ने देवास जिले में अश्वगंधा को विशेष औषधीय उत्पाद के लिए चिन्हांकित किया है। इनके व्यापक प्रचार-प्रसार अभिसरण में विभागों की योजनाएं एवं औषधीय पौधों की खेती, संग्रहण, भंडारण, प्रसंस्करण तथा विपणन आदि विषयों की जानकारी प्रशिक्षण शिविर में दी गई।

प्रशिक्षण शिविर का संचालन मनीष वैद्य ने किया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. मनीष मालवीय, डॉ. केवलराम कुशवाह, डॉ. नेहा कोहली, डॉ. स्नेहा मित्तल, मोहित सिंह खींची, डॉ. भावना परिहार, धर्मेन्द्र बैरागी, पंकजसिंह ठाकुर तथा अशोक यादव आदि ने किया।

देवास आरटीओ ने बस को रोका तो साढ़े नौ लाख का टैक्स बकाया निकला

विनय उजाला

देवास, निप्र। आरटीओ देवास इन दिनों यात्री बसों की सख्ती से चेकिंग कर रहा हैं। ऐसे ही शर्मा ट्रेवल्स की बस को रोककर चेक किया तो बस पर साढ़े नौ लाख रुपए का टैक्स बकाया निकला। रोड पर बस सरपट दौड़ती रही लेकिन किसी ने अभी तक ध्यान नहीं दिया। बस को जब्त कर लिया गया। जिला परिवहन अधिकारी देवास ने बताया कि जिले में परिवहन विभाग द्वारा बकाया यात्री बसों के विरुद्ध विशेष चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत की गई देवास में भोपाल रोड पर चैकिंग अभियान के अन्तर्गत यात्री बसों को चैक किया गया, जिसमें एक यात्री बस बिना मोटरयान कर संदाय किए संचालित होते पाई जाने पर जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया। जब्त की गई यात्री बस से लगभग 9 लाख 50 हजार मोटरयान कर वसूल किया जाना है। नियम विरूद्ध संचालित वाहनों की चैकिंग कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री संबंल योजना के हितग्राहियों को 1 करोड़ 2 लाख की सहायता राशि हस्तांतरित

विनय उजाला

देवास, निप्र। नगर निगम देवास में मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत हितग्राहियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के माध्यम से अनुग्रह सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका निगम देवास क्षेत्र के 47 हितग्राहियों को एक करोड़ 2 लाख की सहायता राशि हस्तांतरित की। नगर निगम बैठक हाल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने समस्त लाभांवित हितग्राहियों को शासन के द्वारा प्रदाय राशि का उपयोग अपने परिवार के कल्याण के कार्य के लिए कहा गया। नेता सत्तापक्ष मनीष सेन द्वारा संबल योजना के लाभ बताए। शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ समिति अध्यक्ष शीतल गहलोत द्वारा संबल योजना में किस प्रकार से मजदूर व उनके परिवार को संबल प्रदाय कर उनके लिए उपयोगी है बताया गया, साथ ही नव वर्ष के उपलक्ष में किए जाने वाले जन सेवा ईकेवाईसी अभियान के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम में पार्षद सोनू परमार, भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल सहित सैकड़ों हितग्राही रहे।

सर्वधर्म रोजा इफ्तार का आयोजन संपन्न

विनय उजाला

देवास, निप्र। सर्वधर्म रोजा इफ्तार का आयोजन बीएनपी रोड पर गढ़वाल गार्डन में रखा गया। गंगा जमुना की तहजीब के साथ दोनों समुदाय के लोगों ने एक जाजम पर बैठकर इफ्तार किया। प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस नईम एहमद ने बताया मरहूम अफाक एहमद शेख मौलाना इसाले सवाब के लिए रोज इफ्तार आयोजन रखा गया।

शहर काजी अबुल कलाम ने प्रदेश की देश की तरक्की, अमन और भाईचारे दुआ की। रमजान हमें अमन और मुहब्बत का पैगाम देता है, हमारा भारत मुहब्बत की खुशबू से हमेशा महकता रहे। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश प्रो कबड्डी अध्यक्ष युवा नेता दीपक जोशी पिंटू भैया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी, समाजसेवी अफजल खान प्रकाश, भगवान सिंह चावड़ा, रमेश व्यास, अनवर खान सेंट्रल मालवा, जितेंद्र सिंह मोंटू, एजाज नीलम, पेपर पटेल स्कूल अध्यक्ष सैयद मेशरह अली जुगनू, प्रयास गौतम, गुरुचरण सलूजा, सिद्धार्थ माहुरकर, जाकिर उल्लाह शेख, चंद्रपाल सिंह सोलंकी छोटू, शाहिद मोदी, हिम्मत सिंह चावड़ा, दिग्विजय सिंह झाला, हरीश गजधर, नवाब मिर्जा, कुदूस शेख, अनवर हुसैन, जमील खान, सरफराज अहमद सिद्दीकी, वसीम खिलजी, अशरफ नागोरी, पंकज भाई, सत्येन्द्र सिंह चौहान, दीपेश हरोडे, शाहबाज शेख आदि उपस्थित थे। आभार उबेद शेख ने माना।

32 लाख रुपए की लूट का देवास पुलिस ने किया खुलासा..

सोसाइटी का सहकर्मी ही था लूट का मास्टरमाइंड वारदात में शामिल चार आरोपी भी पकड़ाए

विनय उजाला

देवास, निप्र। थाना टोंकखुर्द क्षेत्रांतर्गत हुई दिनदहाड़े सनसनीखेज लूट की घटना का मात्र 48 घंटे में ही पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। सोसायटी का सहकर्मी ही अपराध का असल मास्टरमाइंड था। बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित ग्राम जमुनिया के सहायक सचिव के साथ 32 लाख 62 हजार 700 रुपए की लूट हुई थी। घटना की पतारसी एवं आरोपियों की शिनाख्ती के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) देवास ने लगातार 48 घण्टे टोंकखुर्द में कैम्प किया था।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम के तहत जिलेवासियों द्वारा लगाये सीसीटीवी कैमरों में आरोपी कैद हो गए थे। जिला पुलिस द्वारा विगत दिनों में प्रत्येक गांव के लिए बनाए गए 1100 वाट्सएप ग्रुपों में जुड़े 22000 लोगों तक पुलिस ने घटना और फुटेज की जानकारी पहुंचाई थी, इसके बाद पुलिस के हाथ अहम सुराग लग गए. पुलिस ने अभी 31,71,000/-की राशि को बरामद किया हैं। लूट में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। सोसायटी में कार्यरत चपरासी राम कुशवाह ने ही रची थी पूरी वारदात। 26 मार्च

के दोपहर करीबन 3:30 बजे ग्राम जमुनिया स्थित बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित के सहायक सचिव मुकेश पटेल पिता दुर्गा प्रसाद 40 निवासी जमोनिया थाना टोंकखुर्द, सहकारी संस्था कार्यालय ग्राम जमुनिया से अपनी प्लेटिना मोटरसाइकिल की टंकी पर नीले कलर के स्कूल बैग में किसानों से वसूली की राशि 32,62,700/- रखकर सेवा सहकारी संस्था शाखा टोंकखुर्द में जमा करने जा रहा था।

कुछ दूर जाने पर बरदु अमोना रोड पर बिना नम्बर की मोटरसाइकिल पर सवार 2 अज्ञात बदमाशों के द्वारा फरियादी की मोटरसाइकिल के आगे अपनी मोटरसाइकिल लगाकर रोका एवं सीने पर कट्टा अड़ाकर रुपए से भरा बैग एवं मोटर साइकिल की चाबी छीनकर अमोना की तरफ भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल थाना प्रभारी थाना टोंकखुर्द आलोक सोनी मय फोर्स के घटनास्थल पहुंचे एवं घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर उक्त गंभीर घटना से तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक देवास के आदेशानुसार घटनास्थल के आस-पास के गांव एवं सीमावर्ती जिलो के रास्तों पर जिला पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचित कर नाकाबंदी की गई। रिपोर्ट पर से थाना टोंकखुर्द में धारा 309(4)क्नहस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद द्वारा अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी कर लूट में गया मशरुका बरामद करने के लिए निर्देशित किया गया, जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सोनकच्छ दीपा माण्डवे के निर्देशन में थाना प्रभारी टोंकखुर्द आलोक सोनी, थाना प्रभारी पीपलरवां कमल सिंह गेहलोत, थाना प्रभारी कोतवाली श्यामचन्द्र शर्मा एवं थाना प्रभारी सोनकच्छ दीपक यादव के नेतृत्व में 8 विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया।

पुलिस टीमों के द्वारा तकनीकी साक्ष्य, भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय कर सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये गये। सीसीटीव्ही फुटेज एवं मुखबिर तंत्र की सूचना पर से संदिग्ध कुन्दन सोलंकी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर प्रारंभिक पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने अन्य तीन साथियों के साथ सहायक सचिव मुकेश पटेल की रैकी कर लूट की घटना कारित करना स्वीकार किया। लूट की घटना में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम : तोहिद शाह पिता तैय्यब शाह उम्र 28 साल निवासी नई आबादी थाना टोंकखुर्द, आमिन शाह पिता आबिद शाह उम्र 43 साल निवासी नई आबादी थाना टोंकखुर्द, कुन्दन सोलंकी पिता हरीश सोलंकी उम्र 28 साल निवासी मालवीय नगर थाना टोंकखुर्द, राम कुशवाह पिता दशरथ कुशवाह उम्र 32 साल निवासी गलेती मोहल्ला थाना टोंकखुर्द।

भावसार समाज ने धूमधाम से मनाया मां हिंगलाज का प्राकट्य उत्सव

विनय उजाला

देवास, निप्र। भावसार समाज देवास द्वारा कालूखेड़ी बायपास उज्जैन रोड पर निर्माणाधीन हिंगलाज धाम पर भावसार समाज देवास द्वारा 27 मार्च को हिंगलाज प्राकट्य उत्सव धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस उत्सव में आनंद का अतिरेक इसलिए भी रहा कि भावसार समाज के दानदाताओं के सहयोग द्वारा क्रय की गई 28 हजार स्क्वेयर फीट जमीन के 2500 स्क्वेयर फीट पर टीन शेड बनाकर निर्माण कार्य आरंभ किया गया। स्वयं की जमीन पर स्वयं की छत के नीचे उत्सव का आयोजन समाज जन को अतिरिक्त उत्साह से भर देने वाला रहा।

सभी का मन इसी भाव से भरा रहा कि एकजुट होकर हिंगलाज धाम के प्रस्तावित स्वरूप को पूर्णता प्रदान करना है। इसके लिए तन, मन, धन से सहयोग का भाव समाजजनों के मन में रहा। समाज के विकास और एकजुटता के भाव की सुदृढ़ता के लिए शुभ मुहूर्त में मां हिंगलाज की पूजा अर्चना आरंभ की गई। हवन में बैठने हेतु निर्धारित राशि प्रदान कर मुख्य यजमान के रूप में मुकेश झाला एवं डॉ. ममता झाला हवन में बैठने

के अधिकारी बने। विधि विधान से पूजन कार्य पूर्ण किया गया। समाज के उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा भी मंगलकामना हेतु आहूतियां प्रदान की गई। परिसर में स्थित जल तत्व (नलकूप) की पूजा के पश्चात कलश यात्रा निकाल गई जिसमें ढोल की थाप पर थिरकते नृत्य करते बालिकाओं और महिलाओं के पैर खुशी को बयां कर रहे थे।

ऐसे ही खुशनुमा माहौल में गोपाललाल झाला, ताराबाई झाला इटावा द्वारा लाल रिबन काटकर नवनिर्मित शेड का उद्घाटन किया गया और मां हिंगलाज की आरती की गई। तत्पश्चात समाजजन के मध्य वैचारिक विमर्श रखा गया। जिसमें सभी ने समाज अध्यक्ष भूपेन्द्र भावसार और उनकी पूरी टीम की प्रशंसा की ओर इसी तरह कार्य को आगे बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया।

सांस्कृतिक स्वरूप में कलाकारों ने सम्राट विक्रमादित्य केंद्रित नाट्य का किया मंचन

सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर 'विक्रमोत्सव' का आयोजन

विनय उजाला

देवास, निप्र। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर विक्रमोत्सव का आयोजन विक्रमसभा भवन के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पहार और दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर बिहारी सिंह मुख्य आतिथ्य में

हुआ। इस दौरान कार्यक्रम के नियुक्त नोडल अधिकारी व परियोजना अधिकारी देवास स्मिता रावल सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्पहार और पुष्प गुच्छ से किया गया। इस अवसर पर संचालक अरविंद त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार निदेशक श्रीराम तिवारी जी के लेख 'भारत का नववर्ष विक्रम संवत' का वाचन किया। संस्था माही सोशियो एंड कल्चरल सोसाइटी भोपाल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक स्वरूप में सम्राट विक्रमादित्य केंद्रित नाट्य का मंचन किया गया। कार्यक्रम के मध्य में ही स्वास्तिक डांस ग्रुप भोपाल द्वारा अन्य सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन अरविंद त्रिवेदी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारती, सहायक संचालक श्री प्रजापति, विशाल दोहरे, सचिन पटेल, शासकीय शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थियों के साथ साथ नगरवासी उपस्थित रहे।

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने निजी अस्पतालों को राज्य सरकार देगी अनुदान

चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा: मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज में चिकित्सकों का योगदान सर्वोच्च माना जाता है, चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा है। सभी चिकित्सक हमेशा अपने हृदय में दया करुणा और मानवता के भाव को सर्वोच्च स्थान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी अस्पतालों/बड़े मेडिकल ग्रुप्स को अनुदान देगी। वेलनेस सेंटर, नेचुरोपैथी सेंटर की स्थापना सहित आयुर्वेद (आयुष) को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निजी प्रयासों को भी राज्य सरकार अनुदान देगी। गौशालाओं की स्थापना को भी सरकार समुचित प्रोत्साहन दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले के बड़नगर में काबरा हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। संत श्री पंडित कमल किशोर नागर महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिव प्रकाश, जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक बड़नगर जितेंद्र सिंह पंड्या, विधायक नागदा डॉ. तेज बहादुर सिंह सहित जन-प्रतिनिधि, हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वासुदेव काबरा आदि उपस्थित थे।

सम्राट विक्रमादित्य ने सबको कर्ज मुक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज विक्रम संवत का पहला दिन है। हमारी काल गणना पद्धति वैज्ञानिक है और व्यवहारिक भी है। हमारी कालजयी पद्धति में एक सेकेण्ड के 34000 वें हिस्से की भी गणना की जाती थी। हमने वैदिक घड़ी बनाकर उस काल के महत्व को आज की नई पीढ़ी को समझाने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे यहां विक्रम संवत् की स्थापना सम्राट विक्रमादित्य के पुरुषार्थ से हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल में उनकी सम्पूर्ण प्रजा पर कोई कर्जा नहीं था। सम्राट विक्रमादित्य ने सबको कर्ज मुक्त किया था और यह सब ऋणमुक्तेश्वर महादेव के असीम आशीर्वाद से ही हो पाया था। नवग्रह पूजन सिर्फ भारत में ही होता है क्योंकि इस संसार के सभी ग्रह, उपग्रह, नक्षत्र, पिंड और समूचा ब्रह्मांड हमारा है। ये सभी हमारे लिए तबसे स्तुत्य हैं और आगे भी हमेशा पूजनीय ही रहेंगे। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वी.डी. काबरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। डॉ. प्रखर काबरा ने हॉस्पिटल के संबंध में जानकारी प्रदान की।

आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को सराहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काबरा परिवार द्वारा बीते कई दशकों से मानव मात्र की उपचार सेवाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. वासुदेव काबरा के नेतृत्व में इस परिवार की तीसरी पीढ़ी भी बड़नगर क्षेत्र के पीड़ितों/मरीजों के इलाज में पूरे समर्पण से सेवा दे रहे हैं, यह तारीफ की बात है। बड़नगर जैसी छोटी जगह में एक बड़ा हॉस्पिटल स्थापित करना निःसंदेह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि संतों के मार्गदर्शन और उनके सुझाए मार्ग से हम प्रदेश की जनता की सेवा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के सराहना करते हुए कहा कि इस पद्धति से रोग का जड़ से उन्मूलन किया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंदू नववर्ष के आरंभ पर सूर्य को दिया अर्घ्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन में प्रातः भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम नव संवत्सर 2082 के आरंभ के अवसर पर उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य दिया और हिंदू नव वर्ष पर विक्रम ध्वज, गुड़ी का दत्त अखाड़ा घाट पर पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों और देशवासियों को भारतीय नववर्ष की मंगलकामनाएं दी। भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इस मंगल तिथि का अभिवादन कहीं चेटीचंड, कहीं वर्ष प्रतिपदा और कहीं गुड़ी पड़वा सहित अन्य अनेक नाम से किया जाता है। यह प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है। इसी तिथि पर चंहुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। गुड़ी पड़वा पर घर-घर स्थापित होने वाला कलश हमारी पवित्र आत्मा को अभिव्यक्त करता है।

संक्षिप्त समाचार

गांधी मेडिकल कॉलेज में आधुनिक आर्थोस्कोपी सिम्युलेटर लैब शुरू

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। दरअसल राजधानी भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज में डेढ़ करोड़ की लागत से आधुनिक आथ्रीस्कोपी सिम्युलेटर लैब की शुरुआत की गई है। अब जीएमसी में स्पोर्ट इंजरी के विशेषज्ञ तैयार किए जाएंगे। इस लैब में सबसे पहले जीएमसी ऑर्थोपेडिक विभाग के रेसिडेंट डॉक्टर्स को बेसिक स्पोर्ट्स इंजरी कोर्स में की ट्रेनिंग दी जाएगी। अगले वर्ष से प्रदेशभर के सरकारी व प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए एडवांस कोर्स शुरू किया जाएगा। गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने बताया कि लैब शुरू करने से पहले जीएमसी ने एक शोध किया, जिसमें पाया गया कि सिम्युलेटर मशीन पर प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर्स की सर्जिकल स्किल अन्य की तुलना में अधिक बेहतर थी। साथ ही, उनके द्वारा ऑपरेट किए गए मरीजों की रिकवरी भी तेजी से हुई। अब सिम्युलेटर पर प्रैक्टिस के बाद असली सर्जरी नई लैब में डॉक्टर्स आर्थोस्कोपी सिम्युलेटर मशीन पर सर्जरी की प्रैक्टिस करेंगे। उनका प्रदर्शन संतोषजनक रहने पर उन्हें केडेवर (मानव अंग मॉडल) पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन दोनों चरणों को पूरा करने के बाद ही वे वरिष्ठ डॉक्टर्स की देखरेख में मरीजों की सर्जरी कर पाएंगे। गांधी मेडिकल कॉलेज ऑर्थोपेडिक विभाग के एचओडी डॉ. आशीष गोहिया ने बताया कि यह चिकित्सा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक बड़ी पहल है। इस लैब से प्रदेशभर के डॉक्टर्स को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने बताया कि सिम्युलेटर सिस्टम की मदद से डॉक्टर्स बिना किसी वास्तविक सर्जरी के अभ्यास कर सकते हैं, जिससे उनकी दक्षता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

गेहूं का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें: खाद्य मंत्री

भोपाल, निप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में आगामी दिनों असामयिक वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। अतः रबी विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक उपार्जित गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण सुनिश्चित करें। इस तरह के प्रयास करें कि किसी भी उपार्जन केन्द्र पर असामयिक वर्षा से गेहूं भीगना नहीं चाहिए। मंत्री राजपूत ने कहा है कि अभी तक 7 लाख 98 हजार 461 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें से 6 लाख 96 हजार 625 मीट्रिक टन उपार्जित गेहूं का परिवहन एवं भंडारण किया जा चुका है। शेष मात्रा 1 लाख 1 हजार 836 मीट्रिक टन गेहूँ का परिवहन एवं भंडारण अति शीघ्र करवाएं। कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि उपार्जन केन्द्रों पर उपलब्ध गेहूं का परिवहन कर गोदामों में सुरक्षित भंडारण के लिए जरूरी हो तो अन्य परिवहनकर्ताओं के ट्रकों को इस कार्य में लगाएं। गोदाम स्तरीय उपार्जन केंद्रों पर खुले में भंडारित गेहूं को समितियों के माध्यम से गोदामों में भंडारण सुनिश्चित करें। उपार्जन केंद्रों पर गेहू की स्टेक लगाकर पक्के प्लेटफार्म पर भंडारित कराएं और उसे तिरपाल से कवर करवायें। नियुक्त नोडल अधिकारी अपने-अपने केंद्र पर उपस्थित रहकर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

भोपाल निगम का 3 अप्रैल को आएगा बजट

भोपाल, निप्र। भोपाल नगर निगम 3 अप्रैल को वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेगा, लेकिन पिछले बजट का एक बड़ा हिस्सा अभी तक खर्च नहीं हुआ है। बीएमसी के नेता प्रतिपक्ष सबिस्ता जकी ने आरोप लगाया कि 3,353 करोड़ रुपये के बजट में से करीब 1,300-1,500 करोड़ रुपये अभी तक खर्च नहीं हुए हैं। बजट में करीब 20 विशिष्ट प्रावधानों के बावजूद, मुट्ठी भर परियोजनाएं ही पूरी हो पाई हैं। उनका कहना है कि करीब 40 फीसदी बजट अभी तक खर्च नहीं किया गया है। कई योजनाए कागजों पर हैं। केवल इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण शुरू करने के लिए 10 करोड़ रुपये के बजट को पूरा किया गया है।

विक्रमोत्सव-2025 झाबुआ में सूर्य उपासना कार्यक्रम में मंत्री सुश्री भूरिया शामिल हुई

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारत का नववर्ष विक्रम संवत, गुड़ी पड़वा 30 मार्च 2025 को महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में राजवाड़ा चौक झाबुआ पर पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया है।

संस्कृति विभाग निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर राजवाड़ा चौक में मंत्री महिला एवं बाल विकास सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में और कलेक्टर नेहा मीना की उपस्थिति में सूर्य उपासना कार्यक्रम में श्री सत्यनारायण मंदिर में पूजन कर सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर सूर्य उपासना की गई। साथ ही ब्रम्हध्वज को स्थापित किया गया। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया गया

और भारत का नववर्ष विक्रम संवत् पुस्तिका का विमोचन कर वितरण के साथ उसके प्रमुख अंशो का वाचन किया गया। नाट्य प्रस्तुति के कलाकारों का सम्मान किया गया। मंत्री सुश्री भूरिया ने समस्त उपस्थितजनों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष के शुभारम्भ पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन से नई पीढ़ी को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को अवगत कराया जा सके। इस दौरान जनप्रतिनिधि श्री भानु भूरिया, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री बिट्टू सिंगार, पुलिस अधीक्षक श्री पद्म विलोचन शुक्ल, वन मण्डलाधिकारी श्री हरे सिंह ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता श्री ओम शर्मा, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश के तापमान में गिरावट, 1 अप्रैल से ओले-बारिश का अलर्ट

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश के मौसम लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां पहले तेज गर्मी से लोग परेशान हो रहे थे। वहीं पिछले दो दिन से तापमान में गिरावट हुई है। अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है।

1 और 2 अप्रैल को भोपाल, इंदौर, जबलपुर, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के पूर्वी हिस्से रीवा, शहडोल संभाग में भी बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में ओले गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से मौसम बदल सकता है। 30 मार्च को दिन-रात के तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर में दिन का पारा 35-36 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रह सकता है। रात में भी पारा कम ही रहेगा।

बारिश-ओले के बाद चलेगी लू

अप्रैल महीने की शुरुआत में भले ही बारिश और ओले का अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन इसके बाद लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू चलने की संभावना ज्यादा है, जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में फिर प्रदेश का मान बढ़ाया

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रविवार को मन की बात रेडियो कार्यक्रम में प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कुकीज बनाए जाने का उल्लेख करने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभिवादन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बहनें अपने स्तर पर पहल कर आत्मनिर्भरता की नई मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर नारी शक्ति द्वारा किए जा रहे हैं नवाचारों का उल्लेख करने से उन्हें प्रेरणा मिलेगी और बहनें अपने कौशल और परिश्रम से नऐ आयाम स्थापित करने की ओर अग्रसर होंगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने

प्रदेश में बहनें आत्मनिर्भरता के संकल्प को कर रही हैं साकार

महुआ के फूलों के बारे में जरूर सुना होगा, हमारे गांवों और खासकर के जनजातीय समुदाय के लोग इसके महत्व से अच्छी तरह परिचित हैं। देश के कई हिस्सों में महुआ के फूलों की यात्रा अब एक नए रास्ते पर निकल पड़ी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कुकीज बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि राजाखोह गांव की चार बहनों के प्रयास से ये कुकीज बहुत लोकप्रिय हो रही है। इन महिलाओं का जज्बा देखकर एक बड़ी कंपनी ने इन्हें फेक्ट्री में काम करने की ट्रेनिंग दी। इससे प्रेरित होकर गांव की कई महिलाएं इनके साथ जुड़ गई हैं। इनके बनाए महुआ कुकीज की मांग तेजी से बढ़ रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश में रविवार से 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ हुआ। भोपाल में अभियान की शुरुआत कलियासोत नदी के स्वच्छता के साथ हुई।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महापौरमालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रविंद्र यति, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। महापौर मालती राय ने कहा जल गंगा संवर्धन अभियान' न केवल जल स्रोतों की सफाई का कार्य है, बल्कि यह जनजागरूकता का भी अभियान है। हम सबको

मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि हमारी तालाब, कुओं बाबड़ियों को स्वच्छ और संरक्षित रहें।

नगर निगम इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और जनभागीदारी से इस कार्य को गति दी जाएगी। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं है, यह सतत प्रयासों की मांग करता है। इस अभियान के माध्यम से हम न केवल नदी की सफाई करेंगे, बल्कि लोगों को जल के महत्व और इसके संरक्षण के प्रति जागरूक भी करेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों और नागरिकों ने मिलकर स्वच्छता शपथ ली और भविष्य में जल स्रोतों की रक्षा के लिए सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया निरीक्षण

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को नरसिंहपुर जिले के शासकीय कन्या शाला गाडरवारा का निरीक्षण किया। उन्होंने एक अप्रैल से नये शैक्षणिक सत्र की तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। स्कूल प्रशासन ने बताया कि कन्या शाला में करीब एक हजार छात्राओं के नाम अध्ययन के लिये दर्ज है। मंत्री सिंह ने शाला भवन निर्माण की स्थिति की जानकारी नगर पालिका अधिकारी से प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन काम गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूरा किया जाएं। मंत्री सिंह ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से एक अप्रैल से 4 अप्रैल तक चलने वाले स्कूल चलें हम अभियान और प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी उनके साथ थे।

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री शुक्ल

मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार सुरक्षित स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हेल्थ केयर क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता से निरंतर प्रगति हो रही है। मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार नए निष्कर्ष निकालने में सहायक होते हैं, जिससे नई पीढ़ी को भी लाभ मिलता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जबलपुर चेप्टर द्वारा होटल विजन महल में 26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में प्रदेश में एमबीबीएस की 10 हजार और पीजी में 5 हजार सीट की वृद्धि की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश हेल्थ केयर में किया गया है और डॉक्टरों के लिए बेहतर प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक, मानवता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समय के साथ उन्हें अपडेट रहना चाहिए और ऐसे सेमिनार से नई जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सेवा भाव से कार्य कर समाज में उत्कृष्ट योगदान देना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है और 2047 तक अमेरिका और चीन को भी पीछे छोड़कर भारत शीर्ष पर पहुंचेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने सेमिनार में आए निष्कर्षों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

पूर्व मंत्री और विधायक अजय बिश्नोई ने कहा कि मेडिसिन अपडेट समय की मांग है। एलोपैथी में नई खोजों से पीड़ित मानवता की सेवा होती है। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एआईपी के प्रेसिडेंट डॉ. नवीन शर्मा, सचिव डॉ. अभिषेक तिवारी, सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा और अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा उषा प्रिंटर्स, तिलक मार्ग, अमला लाइन, अलीराजपुर से मुद्रित एवं 13/2, ब्लॉक सी, केशव नगर, अलीराजपुर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - श्रीमती दिव्या गुप्ता *, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, 8889766697, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। RNI. Reg. MPHIN/2019/78560